04 - भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

05 - सृजन की मानवीय संवेदना

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 07 मई, 2025

06 - उत्साहजनक रहा बैतूल जिले का परीक्षा परिणाम

07 - पराशरी नदी में सदा नीर धारा रहे पुर्नजीवित संवर्धन की कवायद

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 237, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का रवैया ढुलमुल क्यों ?

योगेंद्र योगी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं।

भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापंसद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया। इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमेरिका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया।

सही मायने में अमेरिका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमेरिका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए। भारत ने हर क्षेत्र में अपनी तरक्की से अमेरिका के ऐसे प्रयासों को हमेशा झटका दिया है। ऐसे में अमेरिका से कभी भी उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह पहलगाम में हुई आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को दंडित करेगा। भारत को अपने बलबूते ही ऐसी वारदातों से निपटने और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए दूरगामी नीति अपनानी होगी।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

देश में 244 जगहों पर आज मॉक ड्रिल

युद्ध में बचने के तरीके सिखाए जाएंगे, टॉर्च-कैश रखने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में आज हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

प्रशासनिक जिलों से अलग हैं सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट- गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मॉक ड्रिल वाले जिलों की लिस्ट जारी की। इनमें राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को कैटेगरी-1 से 3 के बीच रखा गया है। दरअसल, मिनस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे -उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव जिले भी हैं, और बक्शी-का-तालाब, सरवासा जैसे इलाके हैं जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का मकसद

- एयररेड वॉर्निंग सिस्टम के दौरान अलर्टनेस चेक करना।
- इंडियन एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कम्युनिकेशन जोड़ना।
- मेन और सहयोगी कंट्रोल रूम की वर्किंग सही हो, यह सुनिश्चित करना।
- हमले की स्थिति में आम लोगों, छात्रों को अपनी रक्षा करना सिखाना।
- हमले की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने का प्लान और उसका एक्जीक्यूशन चेक करना।
- ब्लैक आउट के दौरान उठाए जाने वाले सभी कदमों का रिव्यू करना।
- ब्लैक आउट की स्थिति में क्या करना है, यह बताना।
- महत्वपूर्ण संस्थानों और बड़े प्लांट्स को कैसे छिपाना है, यह बताना।
- सिविल डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट करना, इमरजेंसी में आम नागरिकों की मदद करने वाली टीम, फायरफाइटर्स, रेस्क्यू ऑपरेशन का मैनेजमेंट।

सुप्रभात

हम सोने के हिरन नहीं हैं
हम पर तीर न ताना जाये
क्यों वन में हम भटक रहे हैं
यह सच भी तो जाना जाये !
हमें समझना हो तो कोई
कृष्ण बाँसुरी अपनी छेड़े
हमें समझना हो तो कोई
उद्धव फिर बरसाना जाये !
हम नदियों के तट पर रहते
हमें नीर की प्यास नहीं है
घायल चरन, न इसका कारण
मरीचिका को माना जाये !
बाहर भटक रहें हैं पर
भीतर कस्तूरी खोज रहे हैं
शायद इससे हरे भरे इस
जंगल का वीराना जाये !

- ज्ञानप्रकाश आकुल

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले

पीएम के पास हमले का इनपुट था, अपना दौरा रद्द किया, आम लोगों की चिंता नहीं की

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रांची में मंगलवार को कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा- मुझे पता चला है और एक अखबार में भी मैंने पढ़ा है कि 22 अप्रैल के आतंकी हमले के 3 दिन पहले पीएम मोदी के पास इंटेलिजेंस का इनपुट था। इसलिए

उन्होंने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया, लेकिन आम लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था नहीं की। 26 बेगुनाह लोग मारे गए और सरकार ने माना इंटेलिजेंस फैलियर है और उसको वे सुधारेंगे। अगर उन्हें यह पता है, तो उन्होंने अच्छी व्यवस्था क्यों नहीं की।

झारखंड सीएम का नाम भूले खड़गे- विधानसभा मैदान में सभा को संबोधित करते हुए खड़गे झारखंड सीएम का नाम भूल गए।

जिस दिन चाहेंगे, साक्षी महाराज सपा में आ जाएंगे : अखिलेश यादव

- राजा भैया के खिलाफ बसपा की कार्रवाई को मुझे बदलना नहीं चाहिए था

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। झांसी में किसानों की जमीन औने-पौने दामों में छीने जाने से लेकर जेपीएनआईसी बेचने तक, हर मुद्दे पर अखिलेश ने तीखे शब्दों में सरकार की नीयत और नीति पर सवाल खड़े किए। अखिलेश ने कहा–जब सब कुछ बिक रहा है तो अब बसें भी बिकेंगी! बीजेपी एसेट्स बनाना नहीं जानती, वो बस बेचने में लगी है। अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा कि जिस दिन चाहेंगे, साक्षी महाराज समाजवादी पार्टी में आ जाएंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक, हुए कई निर्णय

नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के 850 पद स्वीकृत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में पचमढ़ी नगर की नजूल भूमि को अभयारण्य की सीमा से पृथक किये जाने का निर्णय लिया गया। पचमढ़ी नगर का नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हेक्टेयर है, जो साडा के प्रशासनिक नियंत्रण में है, को पचमढी अभयारण्य की सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व अधिसूचना 22 दिसम्बर 2017 द्वारा पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को अभयारण्य से बाहर किया और कुछ ग्रामों को इन्क्लोजर में रखा गया है। कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी जिलों में जो पेंशन कार्यालय हैं वहां के स्टाफ को कम कर जाएगा। एक केंद्रीय प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। दरअसल, पेंशनर्स की संख्या कम होती जा रही है और स्टाफ अधिक है। ऑनलाइन व्यवस्था होने के कारण इस स्टाफ का उपयोग अन्यत्र किया जाएगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50-50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन दिया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए पैरा-ओलम्पिक-2024 में कांस्य पदक विजेता खिलाडियों को 50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जिससे कुल सम्मान राशि 1 करोड़ रूपये हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना

फ्रांसिस और श्री कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी। पेरिस, फ्रांस में आयोजित पैरा ओलम्पिक खेल, 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 में म.प्र. की खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस ने शूटिंग खेल में कांस्य पदक एवं श्री कपिल परमार ने ब्लाइंड जुडो खेल में कांस्य पदक अर्जित किया था।

नक्सल प्रभावित तीन जिलों के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के लिये के 850 पद स्वीकृत- मंत्रि-परिषद ने नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के लिये एक वर्ष के लिए 850 पदों की स्वीकृति प्रदान की है।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन

मंत्रि-परिषद द्वारा पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन करने के निर्णय को स्वीकृति दी गई। राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल को पेंशन प्रकरणों के निराकरण से संबंधित समस्त प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया जायेगा। संभागीय और जिला स्तर के कार्यालयों तथा सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से 2 वर्ष के लिए वर्तमान संभागीय और जिला पेंशन कार्यालयों को पेंशन समाधान केन्द्र के रूप में सीमित संरचना के साथ रखा जायेगा। पदों का युक्तियुक्तकरण किया जायेगा। इससे राज्य शासन पर अनावर्ती व्यय भार 5 करोड़ रूपये होगा।

नव गठित जिलों में आपूर्ति कार्यालय और नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा नव गठित जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति दी। तीन जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए कुल 16 पद और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पदों की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत किया गया।

कार्यालय नाप-तौल के लिए नव गठित जिला निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाडी में 1-1 पदों की स्वीकृति दी गयी।

सड़क हादसे में घायल लोगों को अब पूरे देश में मिलेगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम (नकद रहित इलाज योजना) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार हर व्यक्ति को प्रति हादसा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है।

किसी भी सड़क पर हुए हादसे में मिलेगा इलाज- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगर किसी भी व्यक्ति का सड़क हादसा मोटर वाहन के कारण होता है, तो उसे इस स्कीम के तहत देश के किसी भी हिस्से में इलाज की सुविधा मुफ्त में मिलेगी। हादसे के शिकार

व्यक्ति को सरकारी या नामित अस्पतालों में इलाज के लिए कोई पैसे नहीं देने होंगे।

दुर्घटना के 7 दिनों तक मुफ्त इलाज की सुविधा- इस योजना के तहत पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अगले सात दिनों तक, अधिकतम 1,50,000 रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। यह सुविधा सिर्फ उन अस्पतालों में पूरी तरह लागू होगी जो सरकार द्वारा 'नामित' किए गए हैं।

अन्य अस्पतालों में सिर्फ प्राथमिक इलाज- अगर किसी कारणवश पीड़ित को नामित अस्पताल नहीं मिल पाता और इलाज किसी अन्य अस्पताल में कराया जाता है। तो उस स्थिति में उस अस्पताल में सिर्फ स्थिर हालत (स्टेबलाइजेशन) तक का इलाज ही इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। इस बारे में अलग से गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी नेशनल हेल्थ अथॉरिटी को सौंपी गई है। यह संस्था पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्तरीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि स्कीम को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 07 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बेटी की सगाई कर लौट रहा था परिवार, भीषण हादसे में पांच की मौत

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इंगलाहल्ली क्रॉस के पास मंगलवार सुबह एक कार और लॉरी में टक्कर हो गई। कार सवार लोग किसी समारोह में शामिल होने के बाद बागलकोट लौट रहे थे।

भीषण टक्कर के कारण कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सोमवार को सागर में उनके घर पर बेटी श्वेता शेट्टी की सगाई और गृह प्रवेश समारोह था। समारोह पूरा करने के बाद, सभी मंगलवार सुबह कुलगेरी वापस जा रहे थे। इस बीच, हुबली के बाहरी इलाके में दुर्घटना का शिकार हो गए।

भारत पर पाक के आरोप यूएनएससी में खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पहलगाम अटैक और भारत-पाकिस्तान तनाव पर सोमवार रात

यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में पाकिस्तान से सवाल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान से पूछा गया कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा शामिल था।

बैठक में यूएनएससी मेंबर्स ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और इसकी जवाबदेही की जरूरत पर भी जोर दिया। इस दौरान UNSC मेंबर्स ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया।

रूस से इसी महीने आ जाएगा जंगी जहाज तमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध की संभावनाओं के बीच भारत की समुद्री ताकत बढ़ने वाली है। रूस में बने एक मॉडर्न स्टील्थ युद्धपोत 'तमल' को

भारतीय नौसेना को मई के अंत (28 मई) में सौंपा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून में इसे आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह जंगी जहाज ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। जो रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी समेत 3 को सात साल की सजा

हैदराबाद (एजेंसी)। ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) अवैध खनन मामले में कर्नाटक के पूर्व मंत्री और विधायक गली जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य को दोषी ठहराया गया है। विशेष सीबीआई अदालत ने मंगलवार को सभी को सात साल की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

अयोध्या में मंगल ध्वनियों के बीच हुआ श्रीसीता का जन्म

- भई प्रकट कुमारी भूमि बिदारी... से गूंजे कनक भवन सहित एक हजार मंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में वैशाख शुक्ल नवमी पर भगवती सीता का जन्म मध्य दिवस (ठीक 12 बजे) मंगल ध्वनियों के बीच हुआ। कनक भवन, श्रीरामवल्लभाकुंज, आचार्य पीठ लक्ष्मण किला, सियाराम किला, हनुमत निवास, गहोई मंदिर, बावन मंदिर, बधाई भवन, जानकी महल ट्रस्ट, राम महल वैदेही मंदिर और विअहुति भवन में श्रीसीता का जन्म होते ही जन्मोत्सव की बधाईयां गूंजने लगी।

भई प्रकट कुमारी भूमि बिदारी...पद से कनक भवन सहित एक हजार मंदिर गूंज उठे। इस बीच अयोध्या के हर ओर उल्लास छा गया है। मध्याह्न एक साथ नगरी के हजारों मंदिरों में आरती और घंटा घड़ियाल की सामूहिक धुन से सीता के प्राकट्योत्सव की उद्घोषणा हुई। घंटे-घड़ियाल,शंख आदि की मंगल ध्वनियों से समूची अयोध्या गुंजायमान हो उठी। दोपहर 12 बजे जैसे ही मंदिरों से परदा उठा इस धरा धाम पर सीता के अवतरित होने की खुशी में आरती और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।महोत्सव में आज के दिन मंदिरों में भगवान श्रीसीता और राम के विग्रहों का अनेक रसायनों से अभिषेक कर दिव्य वस्त्र और आभूषण धारण कराए गए।

अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई

- 7 फीट ऊंचे हिम शिवलिंग के दर्शन को आएंगे लाखों श्रद्धालु
- यात्रा 3 जुलाई से रक्षाबंधन तक

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है।

इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं।

एलजी सिन्हा ने बेस कैंप का दौरा किया

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को अमरनाथ यात्रा 2025 से पहले तीर्थयात्रियों के लिए चल रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर में पंथा चौक ट्रांजिट कैंप का दौरा किया। पीएनबी सर्कल जम्मू के चीफ अनिल शर्मा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, 13 साल से कम और 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही उनके पास मेडिकल सर्टिफिकेट हो।

- **2024 में पहुंचे थे 5 लाख यात्री-** 2024 में यह यात्रा 52 दिनों की थी। 2023 में 62 दिन, 2022 में 43 दिन और 2019 में 46 दिनों तक यात्रा चली। 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण यात्रा स्थगित रही। 2024 में 52 दिनों तक चली अमरनाथ यात्रा में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

भारत ने चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद किए

- पाकिस्तान में जलसंकट गहराया, पाक के 24 शहरों में 3 करोड़ लोगों पर असर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद कर दिए हैं। इसके चलते पाकिस्तान जाने वाला चिनाब का पानी रुक गया है और वाटर लेवल घटकर 15 फीट रह गया है। पाकिस्तान में चिनाब का पानी 22 फीट था जो 24 घंटे में 7 फीट घट गया। चिनाब के लगातार सिकुड़ने से 4 दिन बाद पंजाब के 24 अहम शहरों में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ सकता है।

- **भारत ने 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोका-** भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रोक दिया है। 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों का पानी बांटने को लेकर सिंधु जल समझौता हुआ था। समझौते के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) का अधिकार मिला, जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) का इस्तेमाल करने की परमिशन दी गई।

युद्ध में हार के डर से पाकिस्तान ने दूसरे मोर्चे पर छेड़ी जंग

भारत की कई डिफेंस साइट से डेटा चुराने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साइबर हमलावरों ने भारत के कई रक्षा ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की है। उन्होंने भारतीय रक्षा मामलों के एक पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग की वेबसाइट को हैक कर लिया। इसके साथ ही पाकिस्तानी हैकरों ने भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवाओं और मनोहर परिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस से 'संवेदनशील' डेटा चुराने का भी दावा किया है। यह सब तब हुआ है, जब पहले से ही पाकिस्तान से होने वाले साइबर हमलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हैकर्स ने रक्षा कर्मियों की निजी जानकारी और लॉगिन क्रेडेंशियल भी चुरा लिए हैं। फिलहाल, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां इन साइबर हमलों से निपटने के लिए काम कर रही हैं।

निजी डेटा चोरी में जुटे पाकिस्तानी- 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' नाम के एक हैकर ग्रुप ने एमईएस और

एमपी-आईडीएसए में रक्षा कर्मियों की निजी जानकारी चुराई है। इसमें उनके लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी शामिल हैं। एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि इस डेटा चोरी के अलावा, हैकर समूह ने रक्षा पीएसयू आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड की वेबसाइट को भी हैक कर लिया। उन्होंने वेबसाइट पर पाकिस्तान के झंडे और अल खालिद टैंक की तस्वीरें लगा दीं।

नुकसान का पता लगाने के लिए जांच जारी- एहतियात के तौर पर यूएवीएनएल वेबसाइट को फिलहाल बंद कर दिया गया है। इसकी पूरी तरह से जांच की जा रही है, ताकि नुकसान का पता लगाया जा सके। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वेबसाइट की सुरक्षा में कोई कमी तो नहीं रह गई थी। अधिकारी ने कहा, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां पाकिस्तान से जुड़े हैकरों की ओर से किए गए किसी भी अन्य साइबर हमले का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

यह लगातार निगरानी भविष्य में इन साइबर हमलावरों से होने वाले किसी भी खतरे को तुरंत पहचानने और कम करने के लिए है।

- **भविष्य में मजबूत साइबर ढांचे पर भी जोर-** कुल मिलाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को सुरक्षित बनाने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जा रहा है कि सेना भविष्य में होने वाले साइबर हमलों से बेहतर ढंग से निपटने के लिए तैयार रहे। अधिकारी ने आगे बताया, इन कोशिशों का उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि सेना भविष्य में होने वाले साइबर खतरों से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार है।
- **पाकिस्तानियों ने बच्चों की वेबसाइट भी नहीं छोड़ा-** पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तान स्थित साइबर हमलावरों ने भारतीय सशस्त्र बलों की कुछ कल्याणकारी और शैक्षणिक वेबसाइटों को भी हैक करने की कोशिश की थी। इनमें डिफेंस स्कूल के बच्चों से जुड़ी वेबसाइट भी शामिल थी।

तभी पता लग गया था कि पाकिस्तान और पाकिस्तानी लोग अपनी खुन्नस मिटाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनका मकसद वेबसाइटों को बिगाड़ना और उससे निजी जानकारी चुराना रहा है। हालांकि, टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार उनकी इन हरकतों को तब तुरंत कार्रवाई करके विफल कर दिया गया था।

हिमाचल में घरेलू कामगार महिलाओं को 1500 रुपए

इंदिरा गांधी सुख सम्मान निधि योजना में शामिल करने को मंजूरी, कंडीशनल रिलीज होंगे कैदी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में घरेलू कामगार महिलाएं (दूसरे के घरों में काम करने वाली/मेड) भी 1500 रुपए की मासिक पेंशन की हकदार होगी। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न कैबिनेट मीटिंग में इन महिलाओं को इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना में शामिल करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस निर्णय से प्रदेश की सैकड़ों महिलाएं लाभान्वित होंगी। अभी तक प्रदेश में ट्राइबल क्षेत्र की ही ज्यादातर महिलाओं को यह सम्मान राशि मिल रही थी। कैबिनेट के इस निर्णय के बाद प्रदेशभर में मेड के तौर पर लोगों के घरों में वर्किंग वूमेन को भी यह राशि मिलेगी।

कैबिनेट ने हिमाचल की जेलों में बंद कैदियों

को कंडीशनल रिलीज करने की मंजूरी प्रदान की। कैबिनेट सब कमेटी की सिफारिश पर बनी होम स्टे पॉलिसी में कुछ शर्तों को मंत्रिमंडल ने छूट देने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा आयोजित नीति संवाद श्रृंखला का कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती पूजन कर शुभारंभ किया।

जैसलमेर में कर्रा रोग से 500 गायों की मौत

- जयपुर से आई टीम ने 20 गांवों का किया दौरा; पानी, मिट्टी, ब्लड व चारे के सैंपल लिए

जैसलमेर (एजेंसी)। भीषण गर्मी में जैसलमेर जिले में फैलने वाले कर्रा रोग के कारणों की जांच के लिए जयपुर से आई पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों की टीमों ने जिले के अलग-अलग गांवों में पहुंचकर बीमार गाय के ब्लड व यहां के पानी, मिट्टी एवं चारे के सैंपल लिए हैं। इन सैंपलों की जांच जयपुर स्थित पशुपालन विभाग की लैब में की जाएगी। जिले में गायों में फैल रहे कर्रा रोग को लेकर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने संज्ञान लिया। पशुपालन मंत्री के निर्देशों के बाद जयपुर से जांच के लिए टीमें जैसलमेर पहुंची। रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं।

टीम ने 20 गांवों का दौरा किया- जयपुर से आए पशुपालन विभाग के विशेषज्ञ डॉ. एसके जिरवाल, डॉ. संदीप शर्मा व

डॉ. विकास गालव ने रिदवा, भागू का गांव, आकल, बडोड़ा गांव, सोनू, मोकला, पारेवर सहित 20 गांवों का दौरा किया। उन्होंने इन सभी गांवों से पानी, ब्लड, चारा व मिट्टी के सैंपल लिए। पशु चिकित्सकों का कहना है कि चारे में फासफोरस तत्व की कमी तथा दुधारु गायों में दुग्ध उत्पादन के कारण उसके शरीर में फासफोरस तथा अन्य पोषक तत्वों की कमी थी।

वाराणसी में करंट से पिता, बेटा और बहू की मौत

बच्चियां बोलीं- मम्मी-पापा उठो, हम स्कूल से आ गए

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में करंट से एक परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पति-पत्नी और पिता शामिल हैं। तीन लोगों की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बेटे, पोते और बहू का शव देखकर दादी बेहोश हो गईं। स्कूल से पहुंची बच्चियां मां-बाप के शव के पास पहुंच कर जगाने लगीं। यह देखकर वहां मौजूद लोग रोने लगे। पड़ोसी युवक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों लोगों को हॉस्पिटल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

पहलगाम में मारे गए नेवी लेफ्टिनेंट के घर पहुंचे राहुल गांधी

परिवार से बचपन-पढ़ाई पर बातचीत

करनाल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार से 1 घंटा 35 मिनट तक मुलाकात की। वह दोपहर 2:15 बजे लेफ्टिनेंट के घर से रवाना हुए। मुलाकात के दौरान घर के अंदर मौजूद रहे परिवार के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी फैमिली से दुख साझा किया। उन्होंने विनय के बचपन और पढ़ाई के बारे में पूछा। इसके साथ विनय की स्कूल की मार्कशीट और बचपन की फोटो भी देखीं। उन्होंने सुरक्षा में चूक की भी बात कही, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई।

मुख्यमंत्री रिंवझा में भागवत कथा में हुए शामिल

सीएम की कार्यशैली की तारीफ कथावाचक डॉ. अनिरूद्धाचार्य जी महाराज ने की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मझौली के समीप स्थित ग्राम रिंवझा में लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा में शामिल हुए। श्रीमद भागवत कथा का आयोजन गौरी गोपाल आश्रम, वृंदावन के संस्थापक एवं प्रख्यात कथावाचक डॉ. अनिरुद्धाचार्य जी महाराज द्वारा किया गया है। रिंवझा अनिरुद्धाचार्य जी महाराज का पैतृक ग्राम है और उनका बचपन यही व्यतीत हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर अनिरुद्धाचार्य जी महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यासपीठ को भी नमन किया तथा प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बंशी, श्रीमद्भागवत गीता एवं अंगवस्त्रम् भेंट कर स्वागत किया। अनिरुद्धाचार्य जी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कार्यशैली, लोकहित में उनके किये जा रहे कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने के अवसर को श्रद्धालुओं के लिये सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की यह कथा भक्तों के रोम-रोम को आनंद प्रदान करने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वेद वाक्य यत् पिंडे-तत् ब्रह्माण्डे की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया आज भारतीय संस्कृति को देखना, समझना और अंगीकृत करना चाहती है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण कंस का वध करने के बाद शिक्षा प्राप्त करने उज्जैन आए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार के समीप स्थित अमझेरा में भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध किया और जानापाव में उन्हें भगवान परशुराम ने सुदर्शन चक्र दिया था। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता आज भी प्रासंगिक है। यह सभी को अमीर और गरीब के भेद से मुक्त होकर मित्रता निभाने की सीख प्रदान करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उज्जैन ओंकारेश्वर, महेश्वर, मैहर एवं ओरछा सहित उन्नीस धार्मिक नगरों में शराब की दुकानों को बंद कराया गया है। इसके साथ ही खुले में मांस विक्रय को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिसके घर गाय होती है उसे गोपाल कहते हैं और जिसके घर में गाय का कुल होता है उसे गोकुल कहते हैं। प्रदेश में गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 25 से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश अभी तीसरे स्थान पर है और संपूर्ण देश का 9 प्रतिशत दूध मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है। राज्य सरकार ने इसे 20 प्रतिशत तक बढाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मां नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को सर्व सुविधायुक्त बनाने का प्रबंध भी किया जा रहा है और जगह-जगह आश्रय स्थल बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को संस्कारों की शिक्षा देने देवी-देवताओं के प्रसंगों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। सुधांशु त्रिवेदी अनिरूद्धाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बच्चों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करने ग्राम रिंवझा में विद्यालय बनाने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वृंदावन स्थित गौरी गोपाल आश्रम आने तथा इस संस्था द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों का अवलोकन करने का आग्रह भी किया। श्रीमद भागवत कथा में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, सांसद आशीष दुबे, विधायक पाटन अजय विश्नोई, विधायक बरगी नीरज सिंह, विधायक सिहोरा संतोष वरकडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, अखिलेश जैन, राजकुमार पटेल, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में पहुंचे शख्स ने खुद पर डाला पेट्रोल

मकान तोड़े जाने से नाराज था, एसडीएम ने जांच का दिया आश्वासन

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में मंगलवार को कुंवरलाल मसखरे ने खुद पर पेट्रोल डालकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कुंवरलाल को एसडीएम कोर्ट गई है। कुंवरलाल मसखरे ने रनापुर एसडीएम और तहसीलदार पर बिना नोटिस दिए मकान तोड़ने का आरोप लगाया। पुलिस ने

एक मई को किरनापुर क्षेत्र के वारा में राजस्व विभाग ने कुंवरलाल का मकान तोड़ा था। कुंवरलाल का कहना है कि अधिकारी उनके भाई बसंत मसखरे का मकान तोड़ने आए थे। लेकिन गलती से उनका मकान तोड़ दिया गया।

किरनापुर एसडीएम कार्तिक जे. जायसवाल ने बताया कि कुंवरलाल का कच्चा मकान सड़क से लगी शासकीय भूमि पर था। स्थानीय लोग लंबे समय से इसकी शिकायत कर रहे थे। मकान के कारण ग्रामवासियों को परेशानी हो रही थी।

एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि आवेदक के पास पहले से एक पक्का मकान है। उनके एक भाई का अलग मकान है। दूसरे भाई को पीएम आवास योजना का लाभ मिला है। कुंवरलाल ने रिश्वत न देने पर मकान तोड़ने का आरोप लगाया है।

बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदक से व्यक्तिगत चर्चा की। उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया। इसके बाद आवेदक को पुलिस सुरक्षा में भेज दिया गया।

फोन में मिले अश्लील वीडियो, ग्रामीणों ने घर फूंका

उज्जैन के बिछड़ोद में लव जिहाद का मामला, 7 आरोपी हिरासत में; पुलिस बल तैनात

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के पास बिछड़ोद में लव जिहाद के आरोपियों के घर ग्रामीणों ने तोड़फोड़ कर दी। मुख्य आरोपी के घर में आग लगा दी। तनाव की स्थिति को देखते हुए उज्जैन से भारी पुलिस फोर्स बिछड़ोद भेजा गया।

मामला एक वीडियो वायरल होने से शुरू हुआ। बताया गया कि बिछड़ोद की एक हिंदू लड़की का गैर हिंदू लड़के के साथ वीडियो वायरल हुआ था, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश था। सोमवार को ग्रामीणों ने दो लड़कों फरमान और एक अन्य को पकड़कर पूछताछ की। उनके मोबाइल चेक किए तो अश्लील फोटो-वीडियो और कुछ कॉल रिकॉर्ड मिले।

इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने फरमान को घट्टिया थाना पुलिस के हवाले कर दिया। उसके साथ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मंगलवार को बिछड़ोद बंद का आव्हान कर दिया। इस बीच हिंदूवादी संगठन भी बिछड़ोद पहुंच गए। मामले की गंभीरता को देखते एसपी प्रदीप शर्मा सहित एडिशनल एसपी और आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

तपती धूप में दंडवत होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे पिता-पुत्र

सागर (नप्र)। सागर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जहां पिता-पुत्र दंडवत होते हुए जनसुनवाई स्थल तक पहुंचे। तपती धूप में सिद्धू यादव और उनके बेटे जागेश यादव ने जमीन पर सरे भरते हुए अपनी व्यथा प्रशासन तक पहुंचाई। ग्राम पड़रिया निवासी जागेश यादव ने बताया कि उनकी

15 डिसमिल जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। नायब तहसीलदार परसोरिया ने 4 दिसंबर 2024 को खसरा नंबर 841 रकबा 0.06 हेक्टेयर भूमि से मानसिंह यादव, जसवंत, मिट्ठू और गोकल यादव को बेदखल कर आवेदक को कब्जा सौंपने का आदेश दिया था। आदेश में सात दिन में कब्जा दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

7 बार आवेदन दिया, नहीं हुई सुनवाई- जागेश ने बताया कि वे सात बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। मजबूर होकर आज भीषण गर्मी में बुजुर्ग पिता के साथ दंडवत होकर न्याय की गुहार लगाने आए हैं। उनकी मांग है कि प्रशासन अवैध कब्जाधारियों को बेदखल कर उन्हें जमीन का कब्जा दिलाए। तहसीलदार कोर्ट से अवैध कब्जा हटाने का आदेश होने के बावजूद कार्रवाई न होने से पीड़ित परिवार को इस अनूठे विरोध प्रदर्शन का सहारा लेना पड़ा।

गोंडवाना एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ते समय मंत्री का पैर फिसला, दूसरी ट्रेन में चढ़े

162 किमी दूर मिले, दिल्ली से जबलपुर तक मच गया था हड़कंप

भोपाल (नप्र)। दिल्ली से गोंडवाना एक्सप्रेस में सवार होकर जबलपुर आ रहे केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ट्रेन से रहस्यमय ढंग से गायब हो गए। शनिवार रात हजरत निजामुद्दीन से रवाना हुई ट्रेन में वे आखिरी बार देखे गए। रविवार सुबह दमोह में उनकी बर्थ खाली मिली। खबर मिलते ही हड़कंप मच गया।

करीब 3 घंटे तक ट्रेन-ट्रैक पर सर्च के बाद वे 162 किमी दूर सिहोरा स्टेशन पर (जबलपुर) संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के कोच बी3 की बर्थ 57 पर मिले। उनके हाथ-पैर पर चोट के निशान थे।

पैर फिसला और गिर गए

सूत्रों के अनुसार, सुबह 3:45 बजे मंत्री दमोह स्टेशन पर उतरे। तभी उनका शुगर लो हो गया और ट्रेन चलने लगी। ट्रेन में चढ़ते समय मंत्री का पैर फिसला और उन्हें चोट आई। इसी दौरान दूसरे प्लेटफॉर्म पर संपर्क क्रांति आई तो मंत्री उसी में बैठ गए। उनका स्टाफ तलाश में जुट गया।

जबलपुर में हुआ इलाज

पीए ने बताया कि मंत्री हरदुआ से लापता हुए। बाद में पता चला कि यहां ट्रेन रुकी ही नहीं। सुबह 6:55 बजे मंत्री सिहोरा स्टेशन पर मिले। प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर लाया गया। पूरे घटनाक्रम पर मंत्री की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वहीं, रेलवे के सीनियर डीएसीएम डॉ. मधुर वर्मा व सिहोरा में आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब बोले- सूचना मिलते ही स्टाफ को अलर्ट किया गया। जबलपुर पहुंचते ही मंत्री को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई गई।

भोपाल में हिंदू छात्राओं से रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपी जेल गए

क्लब-90 रेस्टोरेंट संचालक पर कार्रवाई नहीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हिंदू छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग गैंग के सरगना फरहान खान उसके साथी नबील और अली को अशोका गार्डन पुलिस ने मंगलवार को रिमांड पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया। तीनों को जेल भेज दिया गया है। साहिल को जहांगीराबाद पुलिस ने 8 मई तक रिमांड पर ले लिया है। इधर, राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम लगातार सभी पक्षों से संपर्क कर केस की जांच में जुटी है। आयोग की जांच में पुलिस जांच की खामियां उजागर हुई हैं।

फंडिंग करने वालों का पता नहीं लगा पाई पुलिस

आरोपी संगठित गिरोह के तौर पर काम कर रहे थे। हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल था। महंगी गाड़ियों, गैजेट्स का इस्तेमाल करते थे। इनको फंडिंग करने वालों का पता पुलिस अबतक नहीं लगा सकी है। गिरोह में कुल कितने सदस्य थे, इस बात का पता भी पुलिस नहीं लगा पाई है।

एक पीड़िता का अबॉर्शन कराने की बात सामने आई

जांच में आरोपियों द्वारा एक पीड़िता का अबॉर्शन कराए जाने की बात भी सामने आई है। गर्भपात करने वालों पर भी कार्रवाई तय नहीं की गई है। क्लब-90 रेस्टोरेंट में छात्राओं के साथ गलत काम हुआ। प्राइवेसी के नाम पर वहां रूम और केबिन बनाए गए थे।

यह आरोपियों का परमानेंट ठिकाना था, इसका खुलासा होने के बाद भी पुलिस ने संचालक के खिलाफ कार्रवाई तय क्यों नहीं की? इस बात को लेकर आयोग ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि आयोग की आपत्ति के बाद प्रशासन ने क्लब-90 रेस्टोरेंट के अवैध हिस्से को तोड़ दिया है।

पीएम जनमन

जनजातीय बसाहट क्षेत्रों में 1800 करोड़ से सड़कों का हो रहा कायाकल्प: मंत्री डॉ. शाह

1295 बसाहट क्षेत्र में लगभग 1100 किमी सड़कें स्वीकृत

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य एवं गैस राहत मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के जरिये जनजातीय क्षेत्रों में आवागमन को सहज और सुगम बनाने के लिये लगभग 1100 किमी सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों में चिन्हित 1295 बसाहटों के लिये 1800 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा देश भर में जनजातीय वर्ग के लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिये प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से सड़क, शिक्षा, बिजली, पानी और पक्की छत उपलब्ध करवाने के लिये कार्य योजना बनाकर काम किये जा रहे हैं।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय संवर्ग के उत्पाद के लिये चलाई जा रही योजनाओं के लिये त्रैमासिक स्तर पर राशि स्वीकृत की जा रही है। उन्होंने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वय से 471 जनजातीय बसाहट क्षेत्रों में अभी 1097.29 किमी सड़कों के लिये 833.98 करोड़ रूपये स्वीकृत किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 630 बसाहटों वाले क्षेत्रों में 1187 किमी की सड़कों के निर्माण लिये प्रस्ताव पर स्वीकृति मिली है। इसके अलावा 194 बसाहटों पर कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जायेगी।

गांव-गांव तक सड़क

मंत्री डॉ. शाह ने बताया किगांव-गांव तक सड़क योजना का लाभ घर-घर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके अंतर्गत 110.29 किमी सड़कें पूर्ण की जा चुकी है। इसमें सर्वाधिक 23.49 किमी की सड़क बालाघाट जिले में पूर्ण की गई है। दूसरे नंबर पर मंडला जिले में 21.37 किमी सड़कों का काम पूरा कर लिया गया है।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजातीय संवर्ग के उत्थान और विकास के लिये केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों को मुर्तरूप दिया जा रहा है। इसके लिये जनजातीय कार्य विभाग दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जनजातीय बसाहट क्षेत्रों में सड़कों की सुगमता से सामान्य जन का जीवन एवं काम-धंधे, व्यापार-व्यवसाय सुगम एवं सुलभ हो सकेगा।

एमपी में अमूल के बाद सांची दूध भी महंगा

दो रुपए बढ़ाए, आज से नए रेट होंगे लागू, भोपाल-इंदौर में सबसे ज्यादा खपत

भोपाल (नप्र)। अमूल के बाद अब सांची ने भी ग्राहकों को झटका दिया है। सांची ने भी दूध के रेट बढ़ा दिए हैं। 1 लीटर दूध पर 2 रुपए, जबकि आधा लीटर पर एक रुपए की बढ़ोतरी की गई है। 7 मई से नए रेट लागू हो जाएंगे। यानी, कल से सांची दूध महंगा मिलेगा।

भोपाल के अलावा इंदौर में भी सांची दूध महंगा हुआ है। वहीं, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, बुंदेलखंड दुग्ध संघ भी रेट बढ़ा रहे हैं।

भोपाल में पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत- भोपाल में पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत होती है। रोज साढ़े 3 लाख लीटर से अधिक दूध की खपत है। अमूल की खपत 70 हजार लीटर है। इसके बाद सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी के दूध भी पैकेट में बिकते हैं। सौरभ और श्रीधी की बात करें, तो इनकी करीब 1 लाख लीटर दूध की खपत शहर और भोपाल के ग्रामीण इलाकों में है। मदर डेयरी ब्रांड के दूध की ज्यादातर खपत शहर में ही होती है।

पैक्ड से ज्यादा खुला दूध बिकता- भोपाल में पैक्ड दूध की तुलना में खुले दूध की बिक्री ज्यादा होती है।

खुले दूध की खपत 8 से 9 लाख लीटर तक प्रतिदिन है। खुला दूध भी महंगा हुआ है। कई डेयरियों पर प्रति लीटर 2 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है।

पिछले साल जुलाई में बढ़े थे रेट- सांची ने पिछले साल जुलाई में रेट बढ़ाए थे। करीब 10 महीने के बाद फिर से दूध के रेट में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, सांची डीटीएम 160 एमएल टोंड मिल्क एवं परिवार 200 मिमी पैक दूध के रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है।

अमूल ने 6 दिन पहले बढ़ाए थे रेट- 6 दिन पहले यानी, 1 मई को अमूल ने दूध के भाव बढ़ाए थे। 1 लीटर दूध पर 2 रुपए, जबकि आधा लीटर पर एक रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में नए रेट लागू हो गए हैं।

प्रदेश में सांची के बाद अमूल दूध की सबसे ज्यादा खपत होती है। रोजाना साढ़े 3 लाख लीटर से अधिक अमूल दूध की खपत होती है। सबसे ज्यादा इंदौर में करीब सवा लाख लीटर दूध बिकता है। वहीं, भोपाल, जबलपुर-ग्वालियर में 50 से 80 हजार लीटर के बीच दूध की खपत है।

एमपी में आरटीओ चेकपोस्ट पर वसूली का वीडियो आया सामने

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट कर पूछा- किसके पास जा रहा पैसा; पिछले साल किए थे बंद

भोपाल (नप्र)। मप्र सरकार ने पिछले साल जुलाई से प्रदेश भर में परिवहन चेकपोस्ट बंद करने का आदेश जारी किया था। परिवहन विभाग के फैसले के बाद भी आरटीओ चेकपोस्ट पर वसूली का खेल लगातार चल रहा है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरटीओ चेकपोस्ट पर हो रही वसूली का वीडियो शेयर करते हुए पूछा है - आखिर सरकार से बड़ा कौन ?

अरुण यादव ने एक्स पर आगे लिखा- मामला शिवपुरी जिले के दिनारा का है। जहां आरटीओ चेक पॉइंट पर प्रतिदिन हजारों वाहनों की अवैध रूप से वसूली हो रही है। आखिर प्रदेश में अवैध वसूली किसके नाम पर हो रही है? इसका पैसा किसके पास जा रहा है ?

गुजरात की तर्ज पर चेकिंग पॉइंट बनाने का था दावा

पिछले साल जुलाई में प्रदेश की अंतरराज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां (आरटीओ चेक पोस्ट) बंद कर दी गई थीं। इसके साथ ही परिवहन विभाग की ओर से यह दावा किया गया था कि अब नई व्यवस्था के तहत रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। पहले चरण में 45 चेक पाइंट बनाए जाएंगे। इनके तैयार होने तक मोबाइल यूनिट गठित कर वाहनों की जांच की जाएगी।

दरअसल, प्रदेश में संचालित आरटीओ चेक पोस्ट पर लगातार गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद सरकार ने इन्हें बंद करने का आदेश जारी किया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने इसके आदेश जारी किए थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस नई व्यवस्था की जानकारी देकर इसका पालन कराने के लिए कहा था। इसके बाद भी लगातार वसूली की शिकायतें सामने आ रहीं हैं।

संपादकीय

यह तो सत्ता की गुंडागर्दी है...

ग्वालियर में रविवार की रात प्रदेश के एक राज्यमंत्री ने स्थानीय रेस्टॉरेंट में टेबल न मिलने पर जिस तरह का उत्पात मचाया, उससे राज्य में सत्ता की गुंडागर्दी का सवाल और गहरा गया है। इसका मुख्यमंत्री और भाजपा संगठन को गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए। वरना जनता में गलत संदेश जा रहा है। इस राज्यमंत्री के बेटे ने पिछले साल भी इसी तरह की गुंडागर्दी की थी, जिसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई थी, लेकिन इस बार तो खुद मंत्री ने ही हदें पार कर दीं। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ग्वालियर के क्वालिटी रेस्टारेंट में रात को खाना खाने पहुंचे थे। वहां काफी भीड़ होने के कारण उन्हें टेबल नहीं मिल सकी। इस मंत्रीजी भड़क उठे। बाद में होटल स्टाफ को उनके मंत्री होने की जानकारी मिली तो उन्होंने माफी भी मांगी। लेकिन तब तक मंत्री पटेल ने फूड सेफ्टी टीम को बुलाकर भोजन की सैंपलिंग करा दी। इस दौरान होटल संचालक ने उसके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया है। मंत्रीजी दो दिनों से ग्वालियर में थे और जिलों के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे थे। जिस रात की यह घटना है, उसी रात प्रदेश के एक वरिष्ठ भाजपा नेता के बेटे की शादी का रिसेप्शन था। लेकिन मंत्रीजी ने वहां खाना न खाकर अपने स्टाफ के साथ होटल में खाने का फैसला किया। उस होटल में कई लोगों ने पहले ही टेबलें एडवांस बुक करवा रखी थीं। इनमें एक टेबल फूड इंस्पेक्टर लोकेन्द्र के नाम से थी। यह जानकर मंत्रीजी और आगबबूला हो उठे। उनके समर्थकों ने लोगों के साथ मारपीट की। हालांकि संचालक और उनके स्टाफ ने माफी मांग ली, लेकिन मंत्रीजी का दिल नहीं पसीजा। इस घटना के बाद ग्वालियर के व्यवसायियों में भी भारी आक्रोश है। बताया जाता है कि फूड सेफ्टीक टीम ने पांच सेम्पल लिए, जिनमें खराब तेल के इस्तेमाल की शिकायत पाई गई। सेम्पल जांच के लिए भेजे गए हैं। लेकिन होटल में जो कुछ हुआ, उसके वीडियो वायरल हो गए। जिसके बाद इस पूरे घटनाक्रम और मंत्री की नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि राज्यमंत्री पटेल ने उन पर लगे आरोपों को झूठा बताया है। लेकिन जो कुछ घटा है, उसका जनता में गलत संदेश गया है। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस ने एक्स पर लिखा- बीजेपी सरकार के मंत्री सत्ता के नशे में चूर हैं। उधर बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री कार्यालय ने मामले की रिपोर्ट मांगी है। राज्यमंत्री पटेल और उनके परिजनो द्वारा इस तरह का अमर्यादित व्यवहार की यह पहली घटना नहीं है। पिछले साल मार्च में भी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बेटे अभिज्ञान पटेल ने भोपाल में रेस्त्रां संचालक दंपती से मारपीट की थी और जिस तरह से थाने में उत्पात मचाया था, उसे लोग अभी भी भूले नहीं हैं। उस घटना के बाद मंत्री पुत्र पर गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला कायम हुआ था। इस गुंडागर्दी के लिए उस वक्त मुख्य मंत्री डॉ.मोहन यादव तथा प्रदेश भाजपाध्यक्ष वी.डी.शर्मा ने मंत्री पटेल को कड़ी फटकार भी लगाई थी, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। उल्टे एक वरिष्ठ भाजपा नेता के यहां शादी के दिन एक राज्यमंत्री द्वारा इस तरह बवाल काटना सरकार की छवि को भी खराब करता है। इन्हीं मंत्री ने अपने बंगले के पास पार्क की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। वैसे राज्य में कतिपय भाजपा नेताओं द्वारा सत्ता के मद में गुंडागर्दी और बेलगाम आचरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। क्या ऐसे लोगों को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है?

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

पिछले पाँच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना एक सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियाँ अब भी खुली हैं।

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून और अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। यह यात्रा चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्व अत्यधिक है। पाँच वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पाँच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना एक सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियाँ अब भी खुली हैं।

इस घोषणा का समय भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह ऐसे समय आया है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का महत्व मात्र तीर्थाटन तक सीमित नहीं है। इस यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। यह उस समय दोनों देशों के बीच जमी बर्फ को पिघलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के प्रारंभ ने उन ठंडी बर्फीली दीवारों के बीच एक मानवीय पुल बनाया जो 1962 के बाद खड़ी हो गई थीं। यह यात्रा धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ राजनयिक संबंधों में विश्वास बहाली का भी प्रतीक बनी। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान यह आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं' वहाँ की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था।

आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है। परंतु यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि इस पहल का स्वागत करते हुए भी हमें यथार्थवादी दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना भारत-चीन संबंधों के व्यापक और जटिल स्वरूप का केवल एक पहलू है। सीमा विवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, रणनीतिक असहमति और वैश्विक मंचों पर वर्चस्व की दौड़ जैसे मुद्दे अब भी दोनों देशों के संबंधों को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

विशेष रूप से लद्दाख की गलवान घाटी की घटना ने जो गहरी दरारें पैदा की थीं, उन्हें भरने के लिए केवल प्रतीकात्मक कदम पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वास बहाली के लिए गहन और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तनाव अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सैन्य, राजनयिक और राजनीतिक स्तर पर संवाद को निरंतर बनाए रखने की जरूरत है ताकि किसी भी आकस्मिक संघर्ष की आशंका को टाला जा सके।

आर्थिक दृष्टि से भी भारत और चीन के बीच संबंधों में मिश्रित प्रवृत्तियाँ देखी गई हैं। एक ओर जहाँ व्यापारिक लेनदेन का आकार बड़ा हुआ है, वहीं दूसरी ओर भारतीय बाजारों में चीनी निवेश और उत्पादों को लेकर संदेह और सतर्कता भी बढ़ी है। भारत सरकार ने कई चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाए हैं और रणनीतिक क्षेत्रों में चीनी निवेश पर निगरानी बढ़ाई है। इसके अलावा, भारत 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है, जिसका अप्रत्यक्ष प्रभाव भारत-चीन आर्थिक संबंधों पर भी पड़ रहा है।

रणनीतिक दृष्टि से, भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहाँ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' (Quad) समूह का एक सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इन परस्पर विरोधी रणनीतिक धारणाओं ने दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई को और चौड़ा किया है।

परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। धार्मिक यात्राओं, व्यापारिक मेलजोल, छात्र विनिमय कार्यक्रमों और सांस्कृतिक संपर्कों के माध्यम से दोनों देशों के बीच मानवकेंद्रित कूटनीति को बढ़ावा देना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण की दिशा में सहायक हो सकता है।

भविष्य की राह हालांकि सरल नहीं है। भारत और चीन के बीच स्थायी और स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए केवल प्रतीकात्मक पहलें पर्याप्त नहीं होंगी। इसके लिए पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, दोनों देशों को यह समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। संघर्ष की बजाय सहयोग का रास्ता दोनों के हित में है।

भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी यह समझना महत्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना एक शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा एक लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरुआत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुँचने के लिए तीर्थयात्रियों को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार भारत और चीन के बीच स्थिर और स्वस्थ संबंधों तक पहुँचने के लिए भी कठिन प्रयासों, धैर्य और दूरदृष्टि की आवश्यकता है। इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

पहाड़ों में आपदाएं बढ़ीं, सुधारना होगा प्रबंधन

पर्यावरण

ओम प्रकाश भट्ट

लेखक जाने-माने पर्यावरण कार्यकर्ता हैं।

स्वीडिश रेडक्रास सोसाईटी' ने आठवें दशक में आपदाओं से निपटने के लिए एक मैनुअल तैयार किया था। 'प्रिवेंशन इज बैटर देन केयर' शीर्षक के इस मैनुअत का बाद में 'इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी' ने हिन्दी में अनुवाद भी किया था। इस मैनुअल में उस दौर में दुनियाभर में आपदा प्रबंधन को लेकर किए जा रहे छोटे-छोटे प्रयासों को समझने की कोशिश की गई थी और उसके आधार पर आपदा प्रबंधन के लिए एक रास्ता सुझाया गया था।

मूल पुस्तक में दुनियाभर के महत्वपूर्ण उदाहरणों के साथ भारत में हो रहे कार्यो का भी जिक्र था, जिसमें 1970 की अलकनन्दा की बाढ़ के बाद 'चिपको आंदोलन' की मातृ-संस्था 'दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल' द्वारा किए गए प्रयासों पर एक पूरा खंड था। राहत और बचाव के साथ-साथ प्राकृतिक घटना आपदा में तब्दील न हो, इसके लिए इस संगठन के द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख इस पुस्तक में किया गया था।

आज इस पुस्तक के प्रकाशन के लगभग पचास साल बाद का परिदृश्य देखें तो आपदाओं का सातत्य और तीव्रता बढ़ती जा रही है। देश में राहत और बचाव का तंत्र पहले की अपेक्षा काफी मजबूत हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर पहले आपदा प्रबंधन से जुड़ी जिम्मेदारियों के निर्वहन का कार्य 'केन्द्रीय कृषि मंत्रालय' के अधीन था, वह अब गृह-मंत्रालय के आधीन आ गया है। आपदा-प्रबधंन के लिए कानून बनाया जा चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर और हर राज्य में अलग-अलग 'आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' की स्थापना हो चुकी है।

अधिकतर राज्यों में जिला-स्तर पर 'आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' गठित है जिनके द्वारा सालभर गतिविधियां संचालित की जाती हैं। 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष' (एनडीआरएफ) और 'राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष' (एसडीआरएफ) जैसी विशेषज्ञता वाले संगठन राहत एवं बचाव के लिए तैयार किए गए हैं। हाल के वर्षो में जिलास्तर पर भी जिला 'आपदा प्रतिक्रिया कोष' (डीडीआरएफ) बनाए जा रहे हैं।

इस सबका फायदा दिखने भी लगा है। राहत एवं बचाव में अब बेहतर कार्य हो रहा है। विशेषज्ञता प्राप्त दलों के प्रयासों से कम-से-कम समय में आपदा में फंसे लोगों तक पहुंच बन रही है। आपदा और विपदा में फंसे मानव-जीवन को बचाया जा रहा है। क्षति को कम-से-कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

28 फरवरी को उत्तराखण्ड के चमोली जिले के विश्वविख्यात तीर्थस्थलों में एक 'श्री बदरीनाथ धाम' के समीप हिमस्खलन (एवलांच) के कारण 'सीमा सड़क संगठन' की कंटेनरों में बनी कालोनी के धराशायी होने की दुर्घटना में राहत और बचाव में आपदा प्रबंधन की तंत्र की भूमिका पहले से बेहतर दिखी, लेकिन आपदा प्रबंधन का प्राथमिक ज्ञान जहां से शुरू होती है उसमें हमारा तंत्र फिर से असफल दिखा।

सटीक सूचनाओं और चेतावनी के बाद भी हम इस दुर्घटना को टालने में असफल रहे। देश के पूर्वी ओर पश्चिमी तटों पर इन मौसमी पूर्वानुमानों से क्षति को कम किया जा रहा है और जीवन का नुकसान न्यूनतम हो रहा है। मौसम और उच्च हिमालय की इन सामान्य गतिविधियों को लेकर अब बेहतर पूर्वानुमान और सूचनाएं मिल रही हैं।

बदरीनाथ की घटना से कुछ दिन पहले 'मौसम विज्ञान केन्द्र, देहरादून' और सेना के मौसम विज्ञानियों की ओर से हिमस्खलन को लेकर पूर्वानुमान जारी किए गए थे। 27 और 28 फरवरी के लिए चेतावनी सटीक थी। इस चेतावनी को 'मौसम विज्ञान केन्द्र' के आपदा प्रबंधन तंत्र से साझा किया गया था और उसके अनुसार कार्य करने के सुझाव दिए थे। इसके बाद भी बदरीनाथ जैसे सहज पहुंच और सुविधाओं से लैस इलाके में असावधानी से हिमस्खलन-जनित आपदा हो जाना तंत्र की कमजोरियों की ओर इशारा करता है।

'स्वीडिश रेडक्रास' का नीति-वाक्य 'राहत से बेहतर रोकथाम' बदरीनाथ में कहीं नहीं दिखा। जिस स्थान पर यह दुर्घटना घटित हुई वह इलाका हिमस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील स्थानों में से एक है। भारी बर्फबारी के दौरान हिमस्खलन के सामने श्रमिकों को छोड़ा जाना एक बड़ी चूक की ओर इशारा करता है।

भट्टजी कहते हैं - बदरीनाथपुरी हिमस्खलन की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील है और एक-दो दशक में यहां बड़े हिमस्खलन होते रहते हैं, लेकिन अधिकतर जगह नुकसान होता रहा है। बदरीनाथ मंदिर चोटी पर स्थित कौवे की चोंचनुमा उभार से हिमस्खलन से हमेशा सुरक्षित रहा है। यहां के पुराने गांव भी इस दृष्टि से कम खतरे वाले स्थानों पर बसाए गए हैं। भट्टजी कहते हैं कि अब हम अधूरी जानकारियों के आधार पर इन इलाकों के निर्माण में जुटे हैं जिससे इस तरह की प्राकृतिक घटनाओं को आपदा बनाने में सहयोग मिलता है।

माणा और नीती घाटी में चार साल के अंतराल में हिमस्खलन की दो बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि इन दोनों घाटियों के ऊपरी क्षेत्रों में सदियों से मानव बसाहट रही है। एक दर्जन से अधिक छोटे-बड़े गांव यहां हैं। कुछ घटनाओं को छोड़कर बड़ी दुर्घटनाओं का कोई इतिहास न होने के पीछे वजह रही है कि लोगों ने मौसम के अनुरूप अपनी जीवनशैली बना ली थी। इन गांवों के लोग गर्मियों में ही यहां रहते थे, सर्दियों में निचली घाटियों में चले जाते थे।

सर्दियों के अनुभव से गांव ऐसे स्थानों पर बनाए गए थे जहां हिमस्खलन का खतरा न्यूनतम रहता था। माणा गांव का ही उदाहरण लें तो यहां आज भी जो मकान बने हैं उनमें कई मकानों की उम्र सौ से दो सौ साल होगी। परिवेश के हिसाब से मकान बने हैं जिसमें स्थानीय सामग्री और स्थानीय जरूरत को प्राथमिकता दी गई है।

सुरक्षा के लिए सीमा तक बेहतर परिवहन और संचार की जरूरतें होती हैं, लेकिन इसके लिए वहां तैनात श्रमिकों की सुरक्षा को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। 2021 में 'सुमना हिमस्खलन' से सबक सीखा होता तो फिर से बदरीनाथ में आठ श्रमिकों को जान नहीं गंवानी पड़ती। सीमा की सुरक्षा के लिए बारह महीने सीमा क्षेत्र में सेना तैनात रहती है। इनके शीतकालीन आवास हिमस्खलन के खतरे को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। श्रमिकों के लिए भी इसी तरह के मापदण्ड होने चाहिए जिससे प्रतिकूल मौसम में सेना और अर्धसैनिक बलों के आवागमन को सरल बनाने वालों की सुरक्षा रखी जा सके।

इन घटनाओं के बाद यह तो तय किया ही जाना चाहिए कि उच्च हिमालय में शीतकाल में होने वाली निर्माण गतिविधियों का नियमन होना चाहिए। बहुत जरूरी होने पर शीतकाल में उन इलाकों में निर्माण गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए और मौसमी हलचलों से वहां कार्यरत मानव-जीवन की सुरक्षा पर प्राथमिकता से ध्यान दिया जाना चाहिए। (सप्रेस)

यह समय एकजुटता व परिपक्वता दिखाने का

विमोचन आज

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

जघन्य, कायरतापूर्ण पहलगाम आतंकवादी घटना में एक विदेशी नागरिक सहित 26 निर्दोष भारतीय नागरिक शहीद हुए। घटना के पश्चात पीएमओ द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एक स्वर में जो एकजुटता का दृढ़ता से प्रदर्शन किया गया उसने न केवल पाकिस्तान को हिला दिया, बल्कि देश में नागरिकों के बीच 'पाकिस्तान को कड़ा सबक मिलने वाला एक अच्छा संदेश गया। फलतः आम नागरिक भी दुगने उत्साह से आवश्यकतानुसार देश के लिये अपनी एक आहुति देने के कर्तव्य के प्रति सजग हो गए। दुर्भाग्यवश इस एकजुटता के प्रदर्शन के तुरंत पश्चात सत्ता और विपक्ष के विभिन्न नेताओं ने अपने बयानों से जो रायता फैलाया उसने इस एकता में कई दरारें पैदा कर दीं। उससे मोगाम्बो का खुश होना स्वाभाविक ही था। बावजूद इसके देश की अवाम मजबूती के साथ एकजुट खड़ी है।

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले कुछ समय से खासकर अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से पिछले 5 सालों से कश्मीर में हृदय को शीतलता देने वाली शांति आई। वहां फिर से पर्यटन उद्योग 'बूम' हो रहा है। कश्मीर में अलगाववादी भावनाएं कमजोर पड़ गई। पहली बार कश्मीरियों ने आतंकवादियों का खुलकर विरोध किया और हिंदू-मुस्लिम भाई-भाई के नारे लगे हैं। निश्चित रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी इस शांति के लिए अपनी कश्मीर नीति को श्रेय अवश्य दे सकते हैं। आंकड़ों की दृष्टि से आतंकवादी 'घटनाओं' अथवा 'शहीदों' दोनों ही मामलों में यूपीए सरकार के कार्यकाल की तुलना में निश्चित रूप से आंकड़ों में कमी आई है, जो शांति की प्रगति की ओर संकेत करती है। कश्मीर में जिस तरह से कश्मीरियत पहली बार हिंदुस्तान के दिल व आत्मा में ''मर्ज'' (मिलती) हुई दिखाई दी, जो अटल बिहारी वाजपेयी के 'कश्मीरियत-जम्हूरियत-इंसानियत' के सपने को साकार करती एक सुखद, अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक स्थिति है। लेकिन 'मोर के खूबसूरत पंख ही उसकी मौत का कारण बनते हैं।' इस सुखद स्थिति को पलटने के लिए पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों ने पहलगाम घटना को अंजाम दिया। इसे समस्त राजनीति करने वाले भारतीयों को समझ लेना चाहिए, कि ऐसी आतंकवादी वारदातों का मुंहतोड़ और फैसलाकुन जवाब देने के लिये आपसी मतभेदों से ऊपर उठना ही होगा।

केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण जम्मू-कश्मीर की पुलिस व्यवस्था से लेकर अन्य समस्त सुरक्षा बल सब केंद्रीय सरकार के अधीन है। इस कारण से पहलगांव घटना की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर आती है। बावजूद इसके विधानसभा में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आधार पर कि मुख्यमंत्री होने की हैसियत से 'मैंने इन लोगों को दावत दी थी', अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार कर बड़प्पन का परिचय दिया। उन्होंने कहा मेरे प्रदेश में देश के विभिन्न अंचलों से आए नागरिक जो शहीद हुए हैं, उन्हें मैं सुरक्षा देने में विफल रहा हूं। मेरे पास माफी मांगने के अल्फाज भी नहीं हैं। मैं इस मौके का इस्तेमाल ''स्टेट हुड'' की मांग के लिए नहीं करूंगा। याद कीजिए 26/11 की मुंबई की आतंकवादी घटना के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सदन में न केवल माफी मांगी थी, बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक के इस्तीफे हो गये थे। वैसे ही जिम्मेदारी स्वीकार करने की आवश्यकता आज के नेतृत्व की तब और ज्यादा हो जाती है, जब जम्मू कश्मीर एक केंद्र प्रशासित राज्य है।

इस घटना ने इस सवाल को फिर से ज्वलंत कर दिया है कि क्या जम्मू-कश्मीर को राज्य का अभी तक दर्जा न दिए जाने जैसा कि उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया था। कहीं एक गंभीर भूल तो नहीं है? क्योंकि यदि राज्य शासन का पुलिस प्रशासन होता, तो निश्चित रूप से 2 हजार से ज्यादा सैलानियों की भीड़ के लिए कुछ न कुछ पुलिस व्यवस्था तो अवश्य होती जो ऐसी पर कुछ-कुछ प्रतिरोध अवश्य पैदा करती। कहीं अनुच्छेद 370 जिसे एक अस्थायी उपबंध के तहत संविधान में रखा गया था, परन्तु वह आज भी ''पूर्णरूप'' से समाप्त नहीं हुआ है। ठीक इसी प्रकार क्या जम्मू-कश्मीर राज्य को पूर्ण दर्जे का मामला ऐसे ही अस्थायी व्यवस्था कही स्थायी भाव तो नहीं लेने लगेगी?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मन के राजा दुनिया के सुल्तान

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि स्वामी रामदेव किसी के वश में नहीं हैं, अपनी ही एक दुनिया में हैं। उसी दिन से मेरे मोहल्ले के त्रिपाठी जी ने दाढ़ी बढ़ाना शुरू कर दी। बोले, 'अब से योग ही धर्म है, और 'रामदेवपंथ' ही नया ट्रेंड है। कोर्ट ने तो प्रमाणपत्र दे दिया कि यह आदमी सही मायनों में 'स्वतंत्र है', बाकी लोग तो किसी न किसी के गुलाम हैं। बाबा की आज़ादी दो धारी है एक दवा तो दूसरी नसीहत देती है। अब नेतागण भी उनसे प्रेरणा ले रहे हैं। बोलते हैं। मैं पार्टी के नहीं, जनता के वश में हूं।' बेबस जनता को पर यह नही मालूम कि उसके वश में उसका नेता है। हां पाकिस्तान की सरकार पर स्वयं के वष में नही वह सेना के वष में है। वहां सेना स्वतंत्र है सरकार नही ।मंत्री व उद्योगपतियों के लाड़ले सपूत भी किसी के वष में नही होते। उनकी करोड़ो की कीमत की एसयूीव फुटपाथ पर सोते लोगों को देखकर वेवष हो कुचलने कूच कर डालती है।

जो किसी के वश में नहीं, वही दूसरों को कंट्रोल कर रहा है। अब बात सिर्फ बाबा की नहीं है, ये स्वतंत्रता वायरस वैश्विक है। टेक बाबा एलन मस्क भी किसी के वश में नहीं न निवेशकों के, न खुद की जुबान के। जब चाहे कोई कंपनी खरीद लेते है। जब चाहे जैसा मीम शेयर कर देते हैं। इनका एक बयान न्यूज़ नहीं, नेरेटिव बन जाता है। ये गल्ती भी ऐसी स्टाईल में करते हैं कि लोग इनके फैन बन जाते हैं।

वहीं डोनाल्ड ट्रंप को कौन कंट्रोल कर सकता है? उनकी सुनहरी जुल्फों जैसे उनके विचार भी हवा में उड़ते हैं। चुनाव हार जाएं तो सिस्टम की गड़बडी। जीत जाएं तो अमेरिका को फिर से महान बनाने की बात को श्रेय। खुद के मन के राजा दुनिया के सुल्तान। ट्रंप का भाषण सुनकर तो कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कोई मिर्ची से बनी कविता सुना रहा हो। गले में भी लगे और आंख से पानी भी निकले। पुतिन तो खैर स्वतंत्रता के एक अलग ही लेवल पर हैं। जो देश उनकी बात न माने, वहां या तो टैंक भेज देते हैं, या गैस बंद कर देते हैं।उत्तरी कोरिया का किम जुंग भी किसी के वश में नही। उसे जब स्वतंत्रता स्वच्छंदता का दौरा पड़ता है तो समुद्र में अमेरिका की ओर मुंह कर मिसाईल परीक्षण कर डालता है। पुतिन का मन करे तो वो शांति सम्मेलन में भी परमाणु मिसाइल ले जाएं । न जाने कब काम आ जाए। ये इतने स्वछंद हैं कि दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी अपने पालतू कुत्ते के साथ करते हैं। अभी तक कोई ऐसी मशीन नही बनी जो ऐसी महान विभूतियों के ईगो को माप सके।

ये वेवश लोगों की लेकिन एक बात कॉमन है ये 'सबके सिर पे सवार बने रहते हैं। वेवश के वश में ही बेबस जनता होती है बाबा का कंट्रोल फूड से लेकर फार्मा तक है, मस्क का टेक से लेकर ट्रोल तक, ट्रंप का संविधान से लेकर संदेह तक, और पुतिन का नक्शे से लेकर नजाकत तक। ये विभूतियां उस विशालकाय वृक्ष जैसी हैं जो छाया तो देते हैं, पर नीचे बैठने की इजाज़त नहीं देते। इनके फॉलोअर्स वो लोग हैं जो गलत दिशा में भी बहुत तेज़ चलते हैं। इनका हर फैसला सवाल नही बनता सत्य बन जाता है। और सबसे मज़े की बात, इनका फैन बेस भी किसी के वश में नहीं। कोई बाबा के पतंजलि काढ़े से कोरोना भगाता है, कोई मस्क के ट्वीट से बिटकॉइन खरीदता है, कोई ट्रंप के भाषण से लोकतंत्र बचाने निकल पड़ता है। कोई किम जुंग की अमेरिका को परमाणु हमले की धमकी से उसका मुरीद बन जाता है।

इन सब 'स्वतंत्र आत्माओं' की सबसे बड़ी खूबी यह है कि जब कुछ भी न चले, तो 'बोलने की आज़ादी' का झंडा उठा लेते हैं। ऐसे महान लोग अपने निजी 'ग्रह' पर अपनी शर्तो पर जिंदगी जीते हैं। जहां गुरुत्वाकर्षण नहीं, सिर्फ आकर्षण है। ये लोग आखिर 'किसी के वश में' क्यों नहीं हैं? क्योंकि इन्होंने सबको अपने नुस्खों से वश में कर रखा है।

अब बाबा ट्रोल होते हैं तो योगासान कर लेते हैं । मस्क ट्रोल होते हैं तो मीम बना देते हैं। ट्रंप ट्रोल होते हैं तो नया झूठ बोल देते हैं। पुतिन ट्रोल होते हैं तो यूक्रेन में एक तगड़ा मिसाईल हमला करा देते हैं। इनका ध्यान नहीं भटकता, ये खुद ध्यान भटकाते हैं।

इस नए बेबस युग में किसी के वश में नहीं होना एक स्टेटस सिंबल है। चाहे आप बाबा हों या बिलिओनेयर, राष्ट्रपति हों या योगी । आखिर हम आज़ादी के उस दौर में हैं जहां तर्क नहीं, ट्रेंड्स चलते हैं। हर देश में वैसे ऐसे सनकी जरूरी हैं जो कि जनता की समस्याओं को और उलझा दें। क्योंकि जनता को आजकल उलझनों में ज्यादा रस लेने का चस्का लग गया है।

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर विशेष

सृजन की मानवीय संवेदना

डॉ. रामेश्वर मिश्र

समाज में समन्वय और सांस्कृतिक विविधताओं का पतन हमें देखने को मिलता है जिसके मूल में मानवीय मूल्यों का पतन है जिसको लेकर हमारे विचारकों ने अनेक प्रसंग सुझाए हैं। इन्हीं विचारकों में मानवी मूल्य के पोषक रबीन्द्रनाथ टैगोर जी का नाम प्रमुखता से आता है। रबीन्द्रनाथ टैगोर जी का जन्म 7 मई 1861 ई. को कोलकाता की जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में देवेंद्र नाथ टैगोर एवं शारदा देवी के घर में हुआ था। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन काल में कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएं, यात्रावृत्त, नाटक और सहस्त्रों गाने लिखे। रबीन्द्रनाथ अपनी पद्म कविताओं के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने ने लगभग 2230 गीतों की रचना की है जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद शैली से प्रभावित इन गीतों में मानवीय भावनाओं के अलग-अलग रंगों को प्रस्तुत किया गया हैं।

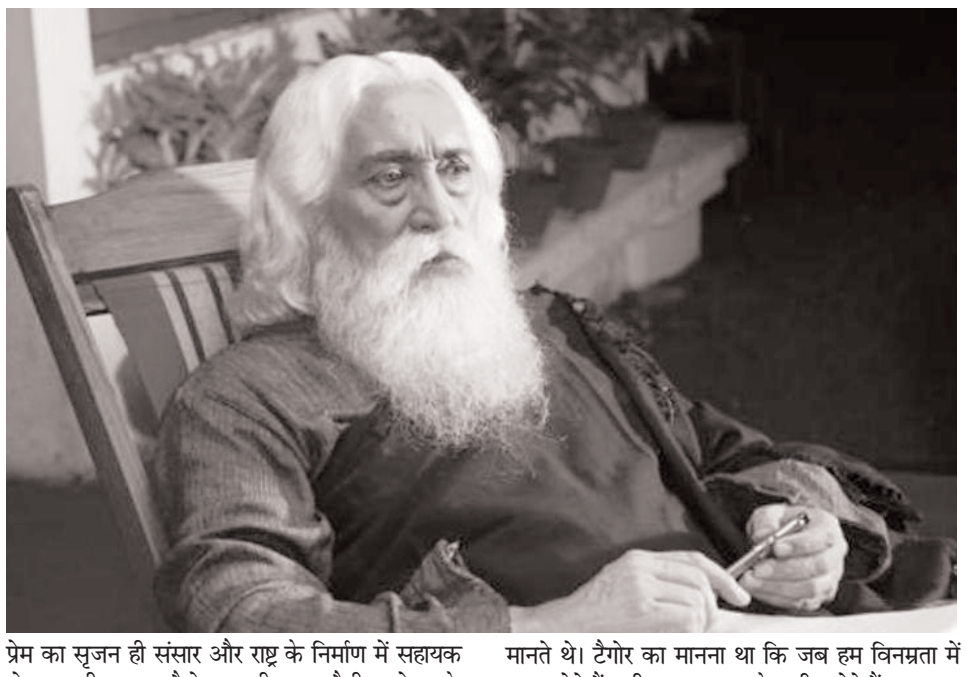

आज बदलते दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदलता जा रहा है, जीवन की आपा धापी मे जो कुछ तेजी से बदला है वह यह है कि लोगों का लोगों के प्रति नजरिया बदल रहा है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण मानव जीवन के भाग दौड़ की जिंदगी में तकनीक आधारित व्यवस्था ने अपना स्थान बना लिया है। तकनीक आधारित समाज में अनेक वादों ने स्थान ले लिया है जिसमें बाजारवाद, जातिवाद, धर्मवाद और अर्थवाद का तेजी से विकास हुआ है, भारतीय जनमानस आगे बढ़ने की होड़ में अपनेपन को भूलता जा रहा है। ऐसे समय में हमें अनेक ऐसे प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल पाते हैं जिसके मूल में मानवी मूल्य का सृजन निहित है। समाज में समन्वय और सांस्कृतिक विविधताओं का पतन हमें देखने को मिलता है जिसके मूल में मानवीय मूल्यों का पतन है जिसको लेकर हमारे विचारको ने अनेक प्रसंग सुझाए हैं। इन्हीं विचारकों में मानवी मूल्य के पोषक रबीन्द्रनाथ टैगोर जी का नाम प्रमुखता से आता है। रबीन्द्रनाथ टैगोर जी का जन्म 7 मई 1861 ई को कोलकाता की जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में देवेंद्र नाथ टैगोर एवं शारदा देवी के घर में हुआ था। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने जीवन काल में कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएं, यात्रावृत्त, नाटक और सहस्त्रों गाने लिखे। रबीन्द्रनाथ अपनी पद्म कविताओं के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने ने लगभग 2230 गीतों की रचना की है जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद शैली से प्रभावित इन गीतों में मानवीय भावनाओं के अलग-अलग रंगों को प्रस्तुत किया गया हैं।

जंगे आजादी में रबीन्द्रनाथ टैगोर ने मानवीय पक्ष को हमेशा अपना आधार बनाया, टैगोर जी का मानवतावाद आध्यात्मिक धरातल पर आधारित था इसमें यह अवधारणा निहित है कि मनुष्य परमात्मा की श्रेष्ठ कृति है, मनुष्य में परमात्मा का वास है, मनुष्य में जो देवत्व है, वह उसे परस्पर प्रेम के बंधन में बांधता है। टैगोर ने हमेशा मानवी प्रेम को अपने लेखन एवं विचारों में महत्वपूर्ण स्थान दिया क्योंकि ईश्वर द्वारा निर्मित मानव के हृदय में प्रेम का सृजन ही संसार और राष्ट्र के निर्माण में सहायक होगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर पृथ्वी पर दैवीय प्रेम के संदेशवाहक थे। गीतांजलि में उन्होंने ईश्वरी प्रेम की व्यापकता का गान किया है और अपने बंधुओं को आमंत्रित किया है कि वह इस प्रेम सागर का रसास्वादन करें। रबीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों को विश्व पटल पर महत्वपूर्ण स्थान मिला, उन्होंने समाज और राष्ट्र रुपी माला को जोड़ने के लिए प्रेम और विनम्रता को अपना आधार मानते थे। टैगोर का मानना था कि जब हम विनम्रता में महान होते हैं तभी हम मानवता के करीब होते हैं। मानवता और मानवी मूल्यों को लेकर रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अथक साहित्यिक साधना की जिसके माध्यम से उन्होंने अपना संदेश समाज तक पहुंचाने का कार्य किया। रबीन्द्रनाथ टैगोर कोलकाता विश्वविद्यालय में कमला व्याख्यान माला के अंतर्गत अपने एक भाषण में कहा कि मनुष्य का दायित्व महामानव का दायित्व है जिसकी कही सीमा नही है, जंतुओं का आवास भूमंडल पर है और मनुष्य का आवास वहां है जिसे वह देश कहता है और देश केवल भौमिक नहीं अपितु मानसिक है, रबीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा कि मनुष्य-मनुष्य के मिलन से यह देश बनता है, रबीन्द्रनाथ टैगोर का विचार मानवता के मूल में प्रेम, त्याग, सहयोग, संयम, स्नेह, समर्पण और स्वतंत्रता पर आधारित था। जिसका समावेश ही राष्ट्र और समाज के निर्माण में सहायक था।

रबीन्द्रनाथ टैगोर जी ने अपने विचारों पर राष्ट्रवाद को कभी मानवीय मूल्य के विचारों पर हावी नहीं होने दिया। चाहे इसके लिए उन्हें अपनों से वैचारिक संघर्ष ही क्यों न करना पड़ा हो। सन 1908 में भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की पत्नी अंबाला बोस को लिखित चिट्ठी से टैगोर जी के मानवीय मूल्य परक विचारों को समझा जा सकता है, टैगोर जी ने चिट्ठी में लिखा कि देश प्रेम हमारा आखिरी आध्यात्मिक सहारा नहीं बन सकता, मेरा आश्रय मानवता में है, मैं हीरे के दामों पर ग्लास नहीं खरीदूगा और जब तक मैं जिंदा हूँ मानवता के लिए कार्य करूंगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने आजीवन मानवीय प्रेम को अपने विचारों के लिए पोषक माना उन्होंने मानवीय संवेदनाओं और मानवीय चेतनाओं को हमेशा अपने विचारों का लेखन में पोषण किया है। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रवाद और मानवता के बीच हमेशा मानवता को चुना, उसी का पक्ष लिया जिससे कई अवसर ऐसे आए जब उन्होंने राष्ट्रवाद का विरोध किया। टैगोर ने प्राणी मात्र के जीवन को सम्मान देने और उनके प्रति सेवा का भाव रखने का विचार प्रकट किया। टैगोर का मानना था भगवान वहां है जहां किसान खेत की मिट्टी जोत कर उसे फसल के लिए तैयार करता है, भगवान वहां है जहां मजदूर पत्थर को तोड़कर सड़के बनाता है, भगवान दीन बंधु और करुणा का सागर है, वह अधम से अधम प्राणी में विद्यमान है। रबीन्द्रनाथ टैगोर मानवीय मूल्यों को लेकर मनुष्य मात्र को ईश्वर से जोड़ा जिससे सामाजिक सद्भाव को बढ़ाया जा सके। रबीन्द्रनाथ टैगोर के मानवीय मूल्य परक विचारों के प्रभाव से जनमानस को नया आयाम मिला। मानवीय मूल्य से प्रेरित रचना गीतांजलि के लेखन कार्य के लिए उन्हें सन् 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला जो कि एशिया के किसी नागरिक को मिलने वाला प्रथम पुरस्कार था। रबीन्द्रनाथ टैगोर की रचना गीतांजलि के प्रभाव से भारतीय संस्कृति में नई चेतना का विकास हुआ। रबीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों के विकास का ही सार्थक फल है कि रबीन्द्रनाथ टैगोर की दो रचनाएं जिसमें भारत का राष्ट्रगान 'जन गण-मन और आमार-सोनार-बांग्ला' बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान बना।

रबीन्द्रनाथ टैगोर के लिए मनुष्य जीवन का मूल्य सबसे बढ़कर था। धर्म, राष्ट्र और समाज के सब नियम-कानून मानवीय मूल्य के पोषक बने। जातीय संघर्ष, धार्मिक उन्माद को रोकने का मूल मानवीय मूल्यों के सृजन में निहित है। रबीन्द्रनाथ टैगोर जी के मानवीय संवेदनाओं में किसान था, मजदूर था, तो वही युवाओं का जोश था, राष्ट्र के हुंकार में मानवीय संवेदनाएं थी, उनके गीतों में मानवीय मूल्य का संगीत था। सृजन के पक्ष की मधुरता थी, राष्ट्र मानवीय जीवन के सृजन का आधार था, ऐसे मानवीय मूल्य के पोषक रबीन्द्रनाथ टैगोर जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनको शत-शत नमन।

पुस्तक परिचय

सूर्यकांत नागर की 11 कहानियाँ

जवाहर चौधरी

समीक्षक

इस संग्रह की पहली कहानी का शीर्षक है 'कायर' । नायक ट्रेन में यात्रा कर रहा है, भीड़ बहुत है, डब्बा खचाखच भरा हुआ है । रात को ट्रेन किसी स्टेशन पर रुकी । अपने जूते सीट के नीचे कहीं फंसे थे सो दूसरे की चप्पल पहन कर ठंडा पानी वगैरा लेने प्लेटफार्म पर उतर गए । ट्रेन चल पड़ी और जल्दबाजी में एक चप्पल प्लेटफार्म पर गिर गई । चप्पल जिसकी थी वह गुस्सैल आदमी था और मारपीट भी कर सकता था । नायक डर और अनिश्चित स्थिति में बैठा रहता है । कहानी एक छोटी सी घटना के माध्यम से यात्रा मनोविज्ञान और स्थितियों का बहुत सुंदर चित्रण करती है । नायक अपना दोष कबूल करना चाहता है लेकिन सामने एक क्रोधित और बलिष्ट व्यक्ति को देखकर उसकी हिम्मत नहीं होती और चुप लगाए बैठा रहता है । इसी तरह दूसरी कहानी 'तमाचा' भी चौंकती है । एक अपरिचित व्यक्ति नायक से संपर्क करना चाहता है । नायक उसके बारे में अनेक विचार बना लेता है । जैसा कि आज का जमाना है लोग बिना स्वार्थ के किसी से बात तक नहीं करते हैं ।

कथाकार सूर्यकांत नागर का ताजा कहानी संग्रह 'ग्यारह कहानियां' दरअसल उनकी श्रेष्ठ कहानियों का चयन है। अब तक उनके दस कहानी संग्रह, दो उपन्यास सहित विभिन्न विधाओं में कुल उनतीस किताबें प्रकाशित हैं । यह विशेष रूप से प्रेरणादाई है कि 1933 में जन्मे नागर जी आज 93वें वर्ष की उम्र में भी लगातार सक्रिय हैं और नियमित लिख रहे हैं। साहित्यिक सभाओं में उपस्थिति के साथ-साथ वे कुछ पत्रिकाओं में नियमित कलम भी लिख रहे हैं। उनकी चेतना चौंकाने वाली है और प्रेरक भी।

इस संग्रह की पहली कहानी का शीर्षक है 'कायर'। नायक ट्रेन में यात्रा कर रहा है, भीड़ बहुत है, डब्बा खचाखच भरा हुआ है । रात को ट्रेन किसी स्टेशन पर रुकी। अपने जूते सीट के नीचे कहीं फंसे थे सो दूसरे की चप्पल पहन कर ठंडा पानी वगैरा लेने प्लेटफार्म पर उतर गए। ट्रेन चल पड़ी और जल्दबाजी में एक चप्पल प्लेटफार्म पर गिर गई। चप्पल जिसकी थी वह गुस्सैल आदमी था और मारपीट भी कर सकता था। नायक डर और अनिश्चित स्थिति में बैठा रहता है। कहानी एक छोटी सी घटना के माध्यम से यात्रा मनोविज्ञान और स्थितियों का बहुत सुंदर चित्रण करती है। नायक अपना दोष कबूल करना चाहता है लेकिन सामने एक क्रोधित और बलिष्ट व्यक्ति को देखकर उसकी हिम्मत नहीं होती और चुप लगाए बैठा रहता है। इसी तरह दूसरी कहानी 'तमाचा'भी चौंकती है। एक अपरिचित व्यक्ति नायक से संपर्क करना चाहता है। नायक उसके बारे में अनेक विचार बना लेता है। जैसा कि आज का जमाना है लोग बिना स्वार्थ के किसी से बात तक नहीं करते हैं। आखिर वह व्यक्ति उनसे संपर्क करने के लिए उपस्थित हो जाता है। वह कहता है कि पता चला है आपके लड़के का गुर्दा खराब हो गया है और उसे इलाज के लिए चेन्नई भेजा है। नायक यह सुनकर चौंक जाता है। आगंतुक कहता है कि गुर्दे के प्रत्यारोपण की आवश्यकता हो तो वह गुर्दा दे सकता है। ऐसा वह इसलिए करना चाहता है कि उसके बेटे का गुर्दा खराब हो गया था और गुर्दे के अभाव में उसकी मृत्यु हो गई थी। वह नहीं चाहता की आप ऐसी स्थिति से गुजरे।

संग्रह में एक महत्वपूर्ण कहानी 'बलि' है जो भुवनेश्वर की कहानी भेड़िए की याद दिलाती है। नदी में नाव से यात्री दूसरी ओर एक मंदिर में माताजी के दर्शन करने जा रहे हैं। नाव भरी हुई है। एक मां और बेटी भी उसमें सफर कर रहे हैं। बेटी ने पानी से किलोल करते हुए नदी में हाथ डाल रखे हैं। तभी बेटी का हाथ एक मगरमच्छ पकड़ लेता है। बेटी को बचाने की बहुत कोशिश की जाती है जिसमें नाव खतरनाक तरीके से हिलने लगती है। इसी बीच बारिश भी होने लगती है। खतरा यह की नाव डूब जाएगी और सारे लोग मारे जाएंगे। अचानक पीछे से एक धक्का आता है और मां बेटी को नदी में धकेल दिया जाता है। लेखक ने संघर्ष के उन चरणों का बहुत ही अच्छा और सूक्ष्म चित्रण किया है। पत्नी के मायके जाने के बाद घर में पति की होने वाली मुसीबतों का रोचक चित्रण 'जल्दी घर आ जाना' कहानी में है। इसी तरह कोहरे से लिपे चेहरे, जारी वाली जैकेट, तबादला, घर से बाहर आदि रोचकता और संदेश लिए हुए हैं। नागर जी की कहानियों में प्राय मूल्यों का संघर्ष दिखाई देता है। सामाजिक गतिशीलता और तकनीकी बदलाव के चलते मूल्यों में भी परिवर्तन हो रहे हैं। सामाजिक व वैयक्तिक द्वन्द्व को कहानियों में देखा जा सकता है। नागर जी अपनी सहज सरल भाषा में गंभीर बात भी कह जाते हैं।

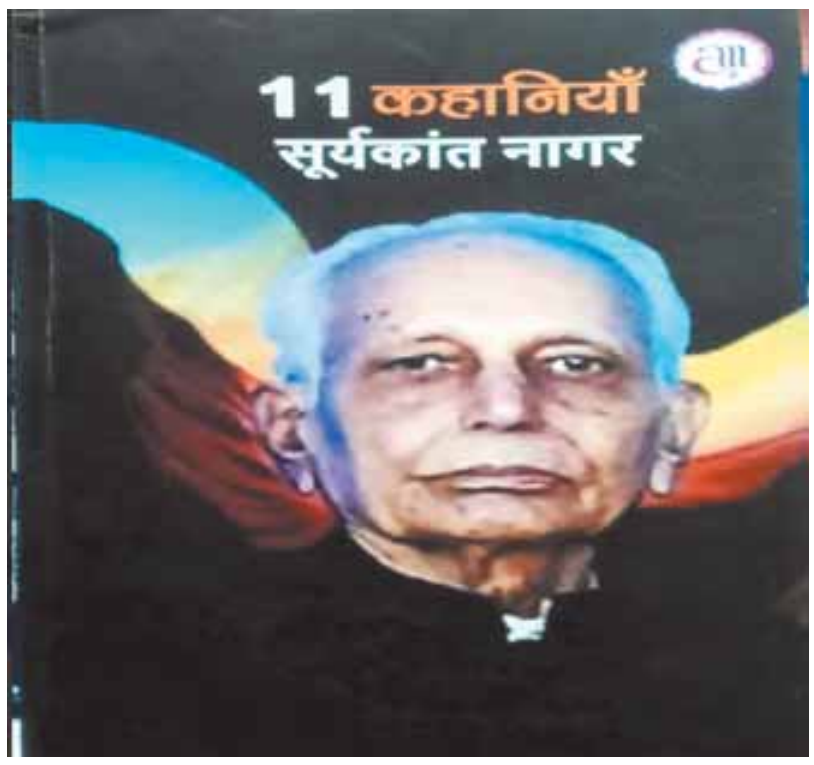

संग्रह में कुछ आलेख भी है जो सूर्यकांत नागर के लेखकीय व्यक्तित्व और कृतित्व को रेखांकित करते हैं। प्रभाकर श्रोत्रिय, प्रमोद त्रिवेदी, बीएल आच्छा, रमेश दवे और चरण सिंह अमि अपनी सारगर्भित टिप्पणियां दी है। पुस्तक अच्छी छपी है और फोंट बड़े होने से पढ़ने में सुविधाजनक हैं। आशा है पाठकों को यह पुस्तक पसंद आएगी।

पुस्तक - 11 कहानियाँ
लेखक - सूर्यकांत नागर
प्रकाशक - अद्रिक पब्लिकेशन प्रा. लि., दिल्ली
मूल्य - रू. 200

दृष्टिकोण

हंसदेव: जंगल की छाँव में, जीवन की तलाश

अज़मत

लेखक सर्वोदय विचार से जुड़े हैं।

7 दिसंबर 2024 की एक सर्द सुबह थी। हम लगभग 300 किलोमीटर दूर हसदेव के जंगल की यात्रा पर निकले। दिन में जंगल के पास पहुँचे तो सामने कई हज़ार पेड़ों की कटी हुई ठूँठें थीं। उनके बीच नई कोपलें फूट रही थीं, मानो जीवन अपने लिए जगह माँग रहा हो।

हम वहाँ रात में लौट आए, लेकिन आँखों के सामने दिनभर का दृश्य घूमता रहा। चारों ओर लोग थे, पर मैं अकेला, जैसे किसी भारी खामोशी से घिरा हुआ। रात का खाना साथियों के साथ खाया, पर मन उस जंगल में ही अटका रहा।

जंगल के साथी

रात में गाँव के एक युवा साथी आए। उनका नाम तो अब ठीक से याद नहीं, लेकिन उनकी बातें दिल में घर कर गईं। वो बोले– 'हम इसी जंगल में जन्मे हैं, हाथियों से हमारी दोस्ती है। यहाँ कई हाथियों का परिवार रहता है– कुछ उत्तराखण्ड से आये हैं, कुछ बाँधवगढ़ से। साल में एक बार ये सब मिलते हैं। यहाँ 4 हाथियों का परिवार है और एक हाथी अकेला रहता है, जिसने अपना परिवार नहीं बसाया।'

मैं सुनता रहा और भावुक हो उठा। इंसानों के परिवार की तरह, जानवरों के रिश्तों को भी उन्होंने इतने आत्मीय भाव से समझाया। वो बोले– 'ये हाथी हमें नुकसान नहीं पहुँचाते, क्योंकि हम उनके घर में हैं। हमें मुआवज़ा दे दोगे, लेकिन इनको कहाँ ले जाओगे? इनका क्या होगा?'

दूसरे दिन की सुबह

सुबह हुई तो हम गाँव के और परिवारों से मिलने निकले। एक बुज़ुर्ग महिला ने कहा,- 'जंगल हमारे भगवान हैं। हम इन्हीं के साथ रहते हैं, पूजा करते हैं। हमें उजाड़ो मत।'

और फिर कुछ किलोमीटर आगे, जहाँ अब कोयला खदानें बन चुकी हैं, वहाँ देखा–सारा इलाका वीरान हो गया था। न हरियाली, न चिड़ियों की चहचहाहट, सिर्फ राख और धूल।

जलवायु और चेतावनी

वहाँ के एक युवा ने कहा– 'भाईसाहब, मौसम बदल गया है, पहले जैसी ठंड नहीं होती। ये सब कटाई और खनन का असर है। हंसदेव, भारत का दिल है। अगर यही उजड़ गया तो शरीर कैसे बचेगा?'

अंत की ओर एक पीड़ा

मैं ये बात आज, तीन महीने बाद लिख रहा हूँ, क्योंकि हाल ही में हैदराबाद के जंगलों की कटाई की तस्वीरें देखीं, जिसमें जानवर झुंड में भागते दिखे। वही दृश्य फिर आँखों के सामने आ गया।

हंसदेव केवल जंगल नहीं है–यह संस्कृति है, इतिहास है, जीवन है। यह एक ऐसे रिश्ते की कहानी है जहाँ इंसान और जानवर, पेड़ और बच्चे, नदी और गीत, सब एक-दूसरे के लिए साँस लेते हैं।?जब हम पेड़ों को काटते हैं, हम सिर्फ लकड़ी नहीं हटाते–हम किसी का घर, रिश्ते, पहचान और भविष्य मिटा रहे होते हैं।

वन विद्यालय में हुई रक्तदान जागरूकता कार्यशाला

रक्तदान के संबंध में भ्रांतियों को किया गया दूर

बैतूल। रक्तदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत वन विद्यालय बैतूल में जिला रक्त केंद्र जिला चिकित्सालय बैतूल की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नितेश शर्मा, खुशहाल सिंह बघेल,जिला रक्तकेंद्र अधिकारी डॉक्टर अंकिता सीते, मां शारदा सहायता समिति के रक्तमित्र शैलेंद्र बिहारिया,रक्त केंद्र के राजेश बोडखडे मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यशाला में डॉक्टर अंकिता सीते ने रक्तदान के लाभ,रक्तदान

कौन कर सकता है, रक्तदान कहां किया जाना चाहिए इस विषय में सभी को बताया। साथ ही प्रश्नों का समाधान किया। इस अवसर पर शैलेंद्र बिहारिया ने भी सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दान की प्राचीन परम्पराओं को याद दिलाते हुए दानवीर कर्ण, दानवीर बर्बरीक और ऋषि दधीचि का लोक कल्याण हेतु अपनी हड्डियों के दान की प्रेरक घटना सुनाकर रक्तदान के लिए सभी को आमंत्रित किया। इस अवसर पर राजेश बोडखे ने भी रक्तदान को लेकर फैली विभिन्न भ्रांतियों को दूर करने की बात कही और रक्तदान को मानवता के मिशन के रूप ने बताया। इस अवसर पर नितेश शर्मा ने रक्तदान पर अपने अनुभव साझा किए और थैलेसीमिया और सिकल सेल से पीड़ित मासूम बच्चों के लिए रक्तदान का महत्व बताया। खुशहाल सिंह बघेल ने बताया कि वे स्वयं रक्तदाता है और रक्तदान करते है, रक्तदान करके हम किसी परिवार के बुझते चिराग को रोशनी प्रदान कर सकते है।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना की आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन

बैतूल। मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है।

योजना में कल्याणी बहनों को विवाह उपरांत 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा योजना अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। इच्छुक हितग्राही पब्लिक डोमेन से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के लिये समग्र पोर्टल पर जानकारी अपडेट होना आवश्यक है। आवेदिका एवं उसके पति का आधार ई-केवायसी समग्र पोर्टल पर होना अनिवार्य है, समग्र पोर्टल पर वैवाहिक स्थिति विवाहित होना अनिवार्य है, 8 अंको की समग्र परिवार आईडी एक ही होना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण कर 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण करेंगे। अनावश्यक रूप से आवेदन लंबित रखने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जा सकती है। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट किया कि जिला कार्यालय में सीधे आवेदन (ऑफलाइन) लेने मना नहीं किया जायेगा। जिला कार्यालय स्वयं पोर्टल पर लॉगइन कर आवेदन को ऑनलाइन प्रक्रिया में शामिल कर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

18 साल के अभिषेक ने टीबी से जीती जंग, 6 महीने चला इलाज

बैतूल। ग्राम गुल्लरढाना, पंचायत कुटंगा, विकासखंड भीमपुर के 18 वर्षीय युवक अभिषेक पिता सुखदेव कुमरे ने छह महीने के नियमित इलाज के बाद टीबी जैसी गंभीर बीमारी को मात दी है। अभिषेक अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसने खंड चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया है। खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर डॉ. दीपक निगवाल ने बताया कि अभिषेक को बीते वर्ष लगातार 20 से 22 दिनों तक खांसी की शिकायत थी। उसने घरेलू इलाज किया, लेकिन राहत नहीं मिली। ग्राम भ्रमण के दौरान आशा कार्यकर्ता नेहा उइके को अभिषेक की स्थिति की जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत टीबी की आशंका जताते हुए उसे सीएचसी भीमपुर चलकर जांच कराने की सलाह दी। हालांकि अभिषेक शुरू में जांच कराने से हिचकिचाया, लेकिन आशा कार्यकर्ता ने सूझबूझ से खखार का नमूना लेकर 5 नवंबर 2024 को सीएचसी भीमपुर में जमा करवा दिया।

जांच में अभिषेक को टीबी पॉजिटिव पाया गया। इस बात की जानकारी एसटीएस भगवानदास अहिरवार ने आशा कार्यकर्ता को फोन पर दी और दोनों को सीएचसी बुलाकर टीबी के खतरे और बचाव के उपाय समझाए। इसके बाद 8 नवंबर 2024 से अभिषेक का इलाज शुरू किया गया। शुरुआत में 56 दिनों की दवा दी गई और 8 जनवरी 2025 को पहला फॉलोअप किया गया, जिसमें रिपोर्ट दोबारा पॉजिटिव आई। इसके बावजूद इलाज जारी रखा गया और अगले चार महीने तक नियमित रूप से दवा दी गई। इस दौरान निश्चय मित्र बनाकर उसे फूड बास्केट भी उपलब्ध कराया गया। एएनएम और सीएचओ द्वारा हर महीने फॉलोअप किया गया। अभिषेक ने छह महीने तक दवा ली।

उत्साहजनक रहा बैतूल जिले का परीक्षा परिणाम

दो छात्र, एक छात्रा ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्राप्त किया सातवां स्थान, प्रदेश की 12वी की प्रावीण्य सूची से बैतूल बाहर

संजय द्विवेदी, बैतूल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मंगलवार को हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के परीक्षा परिणाम घोषित किये। कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम में बैतूल जिले से तीन विद्यार्थी प्रदेश के टॉप टेन सूची में सम्मिलित हुए है। उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल की छात्रा सुनिधि पिता योगेश दाबड़े, नूपुर पिता गंगाधर कावड़कर और शेख आकिब पिता शेख नासिर, ये तीनों विद्यार्थियों ने 494 अंक प्राप्त कर प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त किया है। उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल में परीक्षा परिणाम आने के बाद पटाखे फोड़ कर एवं मिठाई बांटकर खुशी जताई गई। उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के प्राचार्य सत्येन्द्र उदयपुरे ने बताया कि पिछले वर्ष कक्षा दसवीं में प्रदेश की सूची में जिले का एक भी विद्यार्थी शामिल नहीं था। इस बार बैतूल जिले के उत्कृष्ट विद्यालय के छात्रों ने पिछले वर्ष से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मारी है।

पिछले वर्ष की तुलना में 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में हुआ इजाफा

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के परीक्षा प्रभारी सुबोध शर्मा ने बताया गया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा अंतर्गत हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी दोनों ही परीक्षाओं में ज़िले के परीक्षा परिणाम में आशानुरूप वृद्धि दर्ज की गई है। हाईस्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा कक्षा दसवीं में जिले का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में 16.46 प्रतिशत बढ़ा है, वहीं हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा, कक्षा बारहवीं में 9.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर 69.55त्न पर पहुंच गया। परीक्षा परिणामों में वृद्धि के साथ-साथ जिले के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल के तीन विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर भी जिले का नाम रोशन किया है। कु. सुनिधि योगेश दाभाड़े, मास्टर आकिब नासिर शेख एवं कु. नूपुर गंगाधर कावड़कर ने 500 में से 494 अंक प्राप्त कर राज्य की प्रावीण्य सूची में संयुक्त रूप से सातवां स्थान अर्जित किया है। इस उपलब्धि से जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

कलेक्टर ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

इस उपलक्ष्य में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और उनके पालकों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय के प्राचार्य सत्येंद्र उदयपुरे, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा एवं संबंधित शिक्षकों को भी बधाई देकर सम्मानित किया। जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन, सहायक संचालक भूपेंद्र वरकड़े, जिला परीक्षा प्रभारी सुबोध शर्मा, अधिकारियों, प्राचार्यों द्वारा इस संदर्भ में शुभकामनाएं एवं बधाई भी प्रेषित की।

मसाले की दुकान लगाने वाले के बेटे को मिली सफलता

प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाला छात्र बैतूल के आजाद वार्ड निवासी शेख आकिब पिता नासिर आगे जेईई की पढ़ाई करना चाहता है। आकिब के पिता साप्ताहिक बाजार में मसाले की दुकान लगाते है। मसाले की दुकान लगाने वाले नासिर के बेटे ने राज्य की प्रावीण्य सूची में सातवा स्थान प्राप्त कर जिले और माता पिता का गौरव बढ़ाया है। पिता का कहना है कि बड़ी कठिनाई से उन्होंने बेटे को पढ़ाया है।

रिटायर्ड फौजी एवं किसान की बेटी ने दिखाया कमाल

प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाली नूपुर कावडकर आगे की पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहती है। नूपुर के पिता रिटायर्ड सैनिक है, जिसने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर जिले व माता-पिता का नाम रोशन किया है। बैतूल के मानस नगर निवासी नूपुर का कहना है कि वह प्रतिदिन 3-4 घंटे पढ़ाई किया करती थी। उनकी सफलता के पीछे माता-पिता और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं कुमारी सुनिधि योगेश दाभाड़े के पिता कृषक है जो कि जिला मुख्यालय के समीप स्थित महदगांव के निवासी हैं। सुनिधि गणित विषय से पढाई कर आगे चलकर इंजिनियर बनना चाहती हैं। तीनों विद्यार्थियों की सफलता को लेकर दिनभर विद्यार्थियों को बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है।

बैतूल जिले में इस बार बना अनूठा संयोग....

माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा दसवीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम में बैतूल जिले में इस बार एक अनुठा संयोग बना है। प्रदेश टॉप 10 की सूची में आए तीनों विद्यार्थी उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के है और यह तीनों विद्यार्थी अंग्रेजी माध्यम से है और तीनों विद्यार्थी एक ही सेक्शन में पढ़ते है। पहली बार एक साथ तीन विद्यार्थी, जिनके प्राप्तांक 500 में से 494 अंक प्राप्त कर राज्य की प्रावीण्य सूची में संयुक्त रूप से सातवां स्थान तीनों ने अर्जित किया है। इस प्रकार तीनों के अंक भी एक बराबर है, प्रदेश की प्रावीण्य सूची में आये है।

बैतूल जिले की 10वीं की प्रावीण्य सूची में आये विद्यार्थी

10 वी की जारी परीक्षा परिणाम के अनुसार गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल मुलताई की छात्रा नंदिनी घिडोडे, उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल की छात्रा तमन्ना मोहबे, उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा तनवी भावसे ने प्रथम स्थान, सरस्वती विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल बैतूल के छात्र चेतन लोखंडे, टीडब्लूडी हायर सेकेंडरी स्कूल चोपना की रिया साकरे, गणेश ज्ञान अकैडमी मांडवी आठनेर हिमांशी नरवरे, हर्ष गुरव, एक्सीलेंस स्कूल बैतूल की छात्रा प्रतिभा पिंजारे, उन्नति भावसे, देवांश जायसवाल द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। न्यू कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल मुलताई की छात्रा श्रेया रस्तोगी ने जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

बैतूल में 12वीं में 69.55% स्टूडेंट्स पास

पिछले साल के मुकाबले 10 फीसदी रिजल्ट में सुधार, टॉप-9 में 6 सरकारी स्कूल के छात्र

इस बार जिले का प्रदर्शन पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा है। जिले में इस बार टॉप 9 में 6 सरकारी स्कूलों के और 3 निजी स्कूलों के विद्यार्थी शामिल हैं। हालांकि इस बार 12वीं में जिले का कोई भी विद्यार्थी प्रदेश की टॉप-10 मेरिट सूची में जगह नहीं बना सका। जबकि पिछले साल जिले के एक छात्र ने प्रदेश में दसवां स्थान हासिल किया था।

12वीं में जिले के टॉपर्स...

1. हर्षिकीरण कायवर्ट, शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल, चिल्कापुर (आर्ट्स)- 461 अंक
2. योगेश मायवाड़, बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, भैंसदेही (व्यावसायिक शिक्षा)- 460 अंक
3. निषठा साहू, शासकीय उत्कृष्ट स्कूल, बैतूल (मैथ्स)- 477 अंक
4. लुभांशी बेले, गुरुकुल विद्या मंदिर, मुलताई (मैथ्स)- 468 अंक
5. प्रिंस श्रीवास्तव, लिटिल फ्लावर स्कूल, पाथाखेड़ा (मैथ्स)=467 अंक
6. तुलसी बड़ोदे, गुरुकुल विद्या मंदिर, मुलताई (कॉमर्स)=479 अंक
7. प्राची दोड़के, शासकीय उत्कृष्ट स्कूल, बैतूल (कॉमर्स)=464 अंक
8. प्रतीक बारस्कर, भारत-भारती विद्यालय, जामठी (कृषि)=463 अंक
9. अंजली उइके, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, चिचोली (गृह विज्ञान)=400 अंक

जिले के विधायकों ने सीएम से मुलाकात कर की 13 करोड़ के फर्जीवाड़े की उच्चस्तरीय जांच की मांग

एसबीएम में चिचोली - भीमपुर जनपदो में हुआ 13.21 करोड़ का फर्जीवाड़ा

बैतूल। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस टू के तहत जिले कि चिचोली एवं भीमपुर जनपद पचायतो में हुये लगभग 13.21 करोड़ रूपये के गबन और फर्जीवाडे के मामले को लेकर मंगलवार को बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख, भैसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान, घोडाडोगरी विधायक गंगाबाई उइके ने वल्लभ भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकत की। चारो विधायकों ने मुख्यमंत्री को उक्त फर्जीवाडे की विस्तार से जानकरी देकर उच्चस्तरीय जॉच करवानें और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने चारो विधायको को एमबीएम फर्जीवाड़े की

उच्च स्तरीय जॉच करवाने का आश्वासन दिया। बैतूल जिले के उक्त चारो विधायकों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ बैतूल द्वारा वर्ष 2021-22 से लेकर 2024-25 के दौरान जनपद पंचायत भीमपुर ओर चिचोली में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत लगभग 13.21 करोड़ रूपये के फर्जी भुगतान का मामला उजागर किया है। बैतूल कलेक्टर द्वारा करवाई गई जॉच में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जनपद पंचायत चिचोली एवं भीमपुर में विगत चार वर्षो के दौरान ब्लाक समन्वयक राजेन्द्र परिहार द्वारा जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारयों के डिजीटल सिग्नेचर का फर्जी तरीके से उपयोग कर बगैर कार्य के वैन्डरो, फर्मो को लगभग 13.21 करोड़ रूपये का फर्जी भुगतान करना पाया गया। इस गबनकांड से बैतूल जिले की साख खराब हुई है। विधायकों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस गबनकांड को अंजाम देने वाले किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सिर्फ कुछ कर्मचारियों के खिलाफ प्रशासनिक स्तर से कार्यवाही की गई है। विधायकों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि इस मामले के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच भी करवाई जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह के फर्जीवाड़े पर सख्ती से रोक लगाने के लिए निर्देश जारी किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात के दौरान जिले के विधायकों हेमंत खंडेलवाल, चन्द्रशेखर देशमुख, महेन्द्र सिंह चौहान, गंगा बाई उइके ने बैतूल जिले के विकास कार्यों एवं प्रशासनिक कसावट पर भी विस्तार से चर्चा की। बैतूल जिले में मुख्यमंत्री के सम्भावित दौरे को लेकर भी विधायकों द्वारा चर्चा की गई।

मेपकास्ट द्वारा उद्यमिता विकास पर पन्द्रह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का समापन

रिवर्स माइग्रेशन से क्षेत्र का तेजी से विकास संभव: प्रो. विजय मनोहर तिवारी

भोपाल। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रवर्तन में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा गत 2 सप्ताह से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, कॉलेजों के प्राध्यापकों हेतु उद्यमिता विषय पर आयोजित किये जा रहे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरू, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल मुख्य अतिथि तथा डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म. प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने की।

श्री तिवारी ने प्रशिक्षण प्राप्त प्राध्यापकों के मध्य उन्होंने सफल उद्यमियों के उदाहरण प्रस्तुत किये कि किस तरह उद्यमी चुनौतियों का सामना कर स्वयं को स्थापित किये हैं और इस क्षेत्र में लोगों को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने रिवर्स माइग्रेशन पर जोर देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के विकास और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और इस पर कार्य करना होगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि उद्यम करने से ही कार्य सफल होता है, सोते हुए सिंह के मुख में हिरन स्वंय प्रवेश नहीं करता तथा कहा कि उद्यम ही श्रेष्ठ विकल्प है।

डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, मेपकास्ट ने

कहा कि परिषद नवाचार एवं अनुसंधान के माध्यम से आधुनिक संसाधनों के उपयोग से उद्यमियों एवं स्टार्टअप के क्षेत्र को विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा देश के प्रतिष्ठित उद्यमी रतन टाटा जैसे व्यक्तियों को पाठ्यक्रम में जोड़ा जाना चाहिए जिससे कि छात्रों को शिक्षा दौरान ही इस क्षेत्र की महत्ता समझ आये तथा इस क्षेत्र में करियर बनाने की प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर 3 प्रशिक्षणार्थियों सुश्री गौरी शर्मा, डॉ. सुचित्रा श्रीवास्तव एवं प्रो. कमल सिंह यादव ने भी अपने प्रशिक्षण संबंधी अनुभव साझा किये तथा बताया कि वे अपने संस्थानों में छात्रों को जागरूक करने एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तत्पर है। कार्यक्रम में 12 विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों / कॉलेजों स्वयंसेवी संगठनों के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से उनको नई दिशा मिली है जिससे कि वे अपने संस्थानों में छात्रों को उद्यम स्थापित करने के लिए अभिप्रेरित करेंगें। अतिथियों का आभार डॉ. प्रवीण दिघरी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक मैपकास्ट ने किया तथा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नव्या चतुर्वेदी ने किया ।इस अवसर पर परिषद के वैज्ञानिक, प्रभाग प्रमुख, विज्ञान संचारक, शोधार्थी भी सम्मिलित हुए ।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत हेड इंजरी से पीड़ित मरीज को बैतूल से भोपाल किया गया रेफर

संजीवनी रूपी हेलीकॉप्टर भेजने के लिए मरीज के परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का माना आभार

बैतूल। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत आज सुबह बैतूल जिले के तहसील भैंसदेही के ग्राम घोगामा निवासी 45 वर्षीय हेमराज लोखंडे पिता श्यामराव लोखंडे, जोकि दुर्घटना में हेड इंजरी से पीड़ित हैं, को हेलीकॉप्टर के माध्यम से बैतूल से हमीदिया अस्पताल, भोपाल रेफर किया गया। हेमराज लोखंडे को गत दिवस दुर्घटना में गंभीर सिर की चोट लगने के बाद शाम को बैतूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ती देख चिकित्सकों ने उन्हें तत्काल उच्च स्तरीय इलाज के लिए भोपाल रेफर करने का निर्णय लिया। मरीज को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत आज उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा भोपाल ले जाया गया। इस दौरान पुलिस ग्राउंड में बने हेलीपेड पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, जिला अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे सहित अन्य चिकित्सक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

जिला चिकित्सालय के सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ नितेश चौकीकर ने बताया कि हेमराज जी की ट्रक में माल चढ़ाने के दौरान गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटे आई जिसमें उनका फ्रंटल बोन फ्रैक्चर हुआ है और सर में अंदरूनी ब्लीडिंग हुई हैं। उन्हें कल शाम को 7:00 बजे जिला अस्पताल लाया गया था जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। लेकिन मरीज की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें तत्काल भोपाल रेफर करने का निर्णय लिया गया। जिसमें जल्द कार्यवाही कर पीएम श्री एंबुलेंस सेवा

के तहत उन्हें एयरलिफ्ट कराया जा रहा हैं।

कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सुरवंशी के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल तथा संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद द्वारा मरीज को भोपाल रेफर करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। पुलिस ग्राउंड में हेलीपैड तैयार किया गया और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी समय रहते पूर्ण किया गया, जिससे मरीज को बिना विलंब के सफलतापूर्वक रेफर किया जा सका।

हेमराज जी की पत्नी और पुत्र ने मुख्यमंत्री डॉ यादव का माना आभार- मरीज हेमराज जी की पत्नी गीता लोखंडे ने बताया कि उनके पति के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। मैं और मेरा पूरा परिवार कल से बहुत परेशान है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वें अपने पति का बेहतर से बेहतर इलाज कैसे कराएं। पहले उन्हें महाराष्ट्र के परतवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया था किंतु वहां से हमें जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया। यहां इलाज करने के उपरांत उन्हें त्वरित और बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से हमीदिया अस्पताल ले जाया जा रहा है। जिसके लिए हम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बहुत-बहुत आभारी हैं। जिन्होंने संजीवनी रूपी हेलीकॉप्टर भेजकर मेरी पति को अच्छा इलाज दिलाने का काम किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई इस निशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी गरीब या आम नागरिक उपचार के अभाव में अपनी जान न गंवाए। इस सेवा के अंतर्गत प्रदेश भर के गंभीर मरीजों को शीघ्र उच्चस्तरीय चिकित्सा केंद्रों तक पहुँचाया जा रहा है।

दूसरी बार मिला बैतूल जिले को लाभ- इससे पहले आठनेर तहसील के ग्राम चकोरा का रहने वाला शेखलाल, जो कि एक मजदूर थे, घर-घर काम करते समय एक मकान में नीचे गिर गए। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई। तत्काल उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे पीएम श्री एयर एम्बुलेंस की सहायता से भोपाल के मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, जहां उन्हें उचित उपचार दिया गया था। यह दूसरी बार है जब बैतूल जिले को पीएम श्री एयर एम्बुलेंस योजना का लाभ मिला है, जिससे गंभीर घायल को समय रहते बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी।

पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा अत्याधुनिक और आवश्यक सुविधाओं से लैस- पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा अत्याधुनिक और आवश्यक सुविधाओं से लैस होती है, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीज़ को तेजी से और सुरक्षित रूप से चिकित्सा सुविधा तक पहुँचाया जा सके। इसमें आमतौर पर आधुनिक जीवन रक्षक उपकरण जैसे वेंटिलेटर, डिफाइब्रिलेटर, मॉनिटर, और ऑक्सीजन सप्लाई की सुविधा रहती हैं और साथ में प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ डॉक्टर, पैरामेडिक, और नर्स जो आपातकालीन स्थिति को संभाल सकते हैं। मरीज़ की निगरानी की सुविधा जिसमें पूरे रास्ते में मरीज़ की हालत पर नजर रखी जाती है।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना एक अनुठा प्रयास- विशेषज्ञ चिकित्सक एयर एंबुलेंस डॉ. निर्भय कुमार ने बताया कि मरीज की हालत गंभीर होने की सूचना सीएमएचओ बैतूल द्वारा दी गई थी। जिसके बाद एयर एम्बुलेंस से मरीज को भोपाल ले जाया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड धारी और प्राकृतिक आपदा के गंभीर मरीजों के लिए मुख्युमंत्री डॉ.मोहन यादव की पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना एक अनुठा प्रयास है। यह सेवा पूरे भारत वर्ष में कहीं पर भी नहीं है। दूर-दराज के गंभीर मरीजों को बेहतर चिकित्सा के लिए अच्छे अस्पतालों में शिफ्ट किया जाता है। इससे मरीजों को कठिनाई नहीं होती है और उपचार समय पर मिल जाता है।

पराशरी नदी में सदा नीर धारा रहे पुर्नजीवित संवर्धन की कवायद

कलेक्टर ने उदगम स्थल से पांच किलोमीटर पैदल तक चल कर देखा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया,एसडीएम श्री विजय राय, पंचतत्व संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ साथ गणमान्य नागरिकों स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि,वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य ने आज पाराशरी नदी के उद्गम स्थल हिनौदा चक्क में नदी के बहाव मार्ग को करीब 5 किलोमीटर पैदल चल कर देखा और पाराशरी नदी के पुर्नजीवित संवर्धन के लिए और क्या-क्या कार्य की जा सकते हैं जैसे पौधारोपण सहित अन्य बिंदुओं पर विचार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप और जल गंगा संवर्धन अभियान के निहित बिंदुओं पर जिले में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिले की सभी बड़ी नदी और उनकी सहायक नदियों में जल धारा का प्रवाह बना रहे। नदियों के पाटों पर हुए अतिक्रमण को हटाएं ताकि नदियों के जल बहाव में कोई अड़चन ना आएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि पराशरी नदी अपने पुराने परा वैभव की ख्याति हासिल करें इसके लिए सभी को टीम वर्क की भावनाओं को ध्यान गत रखते हुए कार्य करने होंगे। प्रशासन सभी प्रकार की दिक्कतों को दूर करने के लिए कृत संकल्पित है। बरसात के पहले वो तमाम कार्य कराए जाएंगे जो जल बहाव को प्रभावित करते हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी से आव्हान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें ताकि जलसंचय होने से नदी धार टूट ना पाए। वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव ने बताया कि पाराशर नदी का उद्गम स्थल समाप्ति की ओर है एवं नदी में चारों तरफ अतिक्रमण करके उसको खत्म कर दिया गया है। ऐसे भ्रमण का मुख्य आश्य है कि ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां पर नदी को चारों तरफ से समाप्त कर दिया गया है उन स्थानों को पुनः खोला जाए। जिस नदी का जल प्रवाह उद्गम से लगाकर और जहां तक मिलती है वहां तक इसका प्रवाह बिना किसी अवरोध के हो सके।

योजना के दूसरे चरण में हम नदी के दोनों तरफ गड्ढे करने जा रहे हैं एवं वर्षा ऋतु में जुलाई में यहां पर पौध रोपण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत हमने कोशिश की है कि जितनी प्रजातियां लगाई जा रही हैं उनको एक ऐप के माध्यम से डिजिटाइज करें और उसका एक डेटाबेस बनाएं जिससे कि आगामी वर्षों में इस पर नियंत्रण हो सके और इसकी प्रॉपर मॉनिटरिंग हो सके स्थानीय लोगों के द्वारा एवं उनके सहयोग से यह प्रयास किया जा रहा है और आशा है कि आने वाले समय में नदी के पुनरुत्थान के लिए हमारे प्रयास सफल होंगे और नदी को पुनः जीवन मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

विदिशा के मरीज को एअर एम्बुलेंस से नागपुर भेजा गया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के एक मरीज को त्वरित इलाज सुविधाएं शासन स्तर पर कलेक्टर की पहल पर उपलब्ध कराई गई हैं और इलाज हेतु नागपुर शिफ्ट कराया गया है। ज्ञातव्य हो कि भोपाल के बंसल अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज श्री सुरेन्द्र लोधी उम्र 45 वर्ष निवासी मानोरा, तहसील ग्यारसपुर के रहने वाले हैं जो फेफड़ों और मस्तिष्क की गम्भीर बीमारी से पीड़ित हैं। तीन मई को प्राप्त आवेदन अनुसार इनको शासन के द्वारा एअर एम्बुलेंस से नागपुर भेजा गया है। विदिशा जिले के पहले मरीज हैं जिन्हें कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी विदिशा एवं उनकी टीम द्वारा अवकाश दिवस में भी कार्य करते हुए संबंधित मरीज को उपचार हेतु एअर एम्बुलेंस की सेवा उपलब्ध कराकर नागपुर भेजा गया है।

कलेक्टर ने बासौदा में पराशरी नदी के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने रविवार की प्रातः साढ़े आठ बजे बासौदा में पहुंचकर पाराशरी नदी के सौंदर्यीकरण के जारी कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय एसडीएम को नदी के सौंदर्यीकरण कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बासौदा में पलोड पेट्रोल पंप के समीप पाराशरी नदी के घाटों के निर्माण कार्यों और पौधारोपण कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया भी साथ मौजूद रहे।

आईटीआई में रोजगार मेला 8 मई को लगेगा

हरदा (निप्र)। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शासकीय आईटीआई हरदा में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि यह मेला 8 मई को प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक युवतियों की भर्ती की जायेगी। इस रोजगार मेले में 5 वी, 8वी, 10वी, 12वी, आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक की आयु के युवा भाग ले सकते है। जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलोटे ने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक युवा अपने सभी मूल दस्तावेज अंकसूची, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड व परिचय पत्र की फोटोकॉपी, समग्र आईडी तथा 4 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ प्राप्त कर सकते है। मेले में भाग लेने के लिये किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच पहुंचे कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। श्री हरि वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजन सुबह-सुबह अपने बीच कलेक्टर को पाकर आश्चर्य चकित हो गए। बुजुर्गों का कहना था कि सुबह सुबह 6 बजे कई लोग घूमने जाते हैं ऐसे समय आज हमारे बीच आकर हमें अपने घरों की याद दिला दी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता आज रविवार की प्रातः श्री हरि वृद्धाश्रम जा पहुंचे थे। उन्होंने यहां निवास कर रहे बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनका हालाचाल जाना और वृद्धाश्रम में दी जा रही सुविधाओं के संबंध में बुजुर्गों से संवाद कर जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर ने बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन कराने तथा उक्त आयोजन में स्वयं उपस्थिति रहने का आश्वासन दिया। कलेक्टर द्वारा बुजुर्गों को इस दौरान मिष्ठान और फल भी वितरित किए गए।

गंजबासौदा में बेतवा नदी के संरक्षण हेतु श्रमदान

विदिशा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत, गंजबासौदा की जीवन दायिनी बेतवा नदी को स्वच्छ और समृद्ध बनाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। नवांकुर संस्थाओं ने संयुक्त रूप से इस अभियान के प्रथम दिवस श्रमदान किया, जिसमें नदी के तट पर सफाई और अन्य आवश्यक कार्य किए गए। इस महत्वपूर्ण आयोजन में नवांकुर संस्थाओं के सक्रिय प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही विकासखंड समन्वयक और परामर्शदाता भी उपस्थित रहे। जिन्होंने इस प्रयास को अपना समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान किया। सभी ने मिलकर नदी के किनारों से प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाने में योगदान दिया ताकि नदी के प्राकृतिक सौंदर्य को बहाल करने में मदद मिले। यह श्रमदान न केवल बेतवा नदी को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह समुदाय को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी एक सशक्त माध्यम है। नावांकुर संस्थाओं और जन अभियान परिषद का यह संयुक्त प्रयास निश्चित रूप से अन्य लोगों को भी प्रेरित करेगा कि वे अपनी नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए आगे आएं। बेतवा नदी, जो इस क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन का स्रोत है, को स्वच्छ और स्वस्थ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस दिशा में किया गया यह श्रमदान एक सराहनीय पहल है और उम्मीद है कि यह भविष्य में भी जारी रहेगा, जिससे गंजबासौदा और इसके आसपास के क्षेत्रों में जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

बासौदा विकासखंड मे बीएलबीसी की बैठक का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। बासौदा विकासखंड मे बीएलबीसी की बैठक का आयोजन बासौदा एसडीएम श्री विजय राय की अध्यक्षता में पटवारी कक्ष में हुआ। बैठक में जनपद सीईओ श्रीमती तपश्या जैन, लीड बैंक ऑफिसर श्री बीएस बघेल सहित समस्त बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम श्री विजय राय नज सभी ऋण योजनाओं के प्रकरण तैयार करने एवं संबंधित बैंकों को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया ताकि मासिक आधार पर लक्ष्य प्राप्ति की जा सके। उन्होंने सभी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं एवं अटल पेंशन योजना के अधिकाधिक पंजीयन हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग के खंड स्तरीय अधिकारी को कैम्प शेड्यूल बनाने एवं बैंकों से कियोस्क ऑपरेटर को कैम्प मे जोडने हेतु निर्देशित किया।

आत्मा योजना के तहत प्रशिक्षण लेकर किसान श्री वर्मा बना रहे हैं वर्मी कंपोस्ट

फसलों में वर्मी कंपोस्ट के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों का खर्च हुआ खत्म

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने, उनकी खेती को उन्नत बनाने और आधुनिक तकनीकों को खेतों तक पहुँचाने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही आत्मा योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। कृषि क्षेत्र में निरंतर उन्नति और किसानों की आय बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा आत्मा योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आत्मा योजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी सलाह, भ्रमण और प्रदर्शन जैसी गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाया जाता है। सीहोर जिले के ग्राम वफापुर निवासी किसान श्री कृपाल सिंह वर्मा भी उन्हीं किसानों में से एक है, जिन्हें आत्मा योजना का लाभ मिला है। किसान श्री कृपाल सिंह वर्मा कहते हैं कि उन्होंने आत्मा योजना के तहत उज्जैन, देवास और इंदौर में आयोजित भ्रमण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें उन्हें वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने का प्रशिक्षण मिला। इस प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जैविक खेती और प्राकृतिक उर्वरक के उपयोग के महत्व को समझा।

प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटने के बाद उन्होंने अपने खेत में वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित की। शुरू में छोटे स्तर पर काम शुरू करने के बाद, उन्होंने धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाया। वर्मी कंपोस्ट खाद का उपयोग करने से उनके खेत की मिट्टी की उर्वरता में सुधार हुआ और रासायनिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च काफी कम हो गया। इससे उनकी फसल की गुणवत्ता भी बेहतर हुई और उत्पादन लागत घटने से मुनाफा बढ़ा। आज श्री कृपाल सिंह वर्मा अपने गाँव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं। वह न केवल खुद वर्मी कंपोस्ट बना रहे हैं, बल्कि अन्य किसानों को भी इसके निर्माण और उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं। किसान श्री कृपाल सिंह वर्मा कहते हैं कि यदि किसानों को सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिले तो वे आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इस प्रकार आत्मा योजना किसानों के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बन रही है। किसान श्री कृपाल सिंह वर्मा ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

सीहोर में अवैध तरीके से बनाई जा रही 05 कॉलोनियों पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

एसडीएम ने अवैध कॉलोनियों में प्लाट-मकान न खरीदने की नागरिकों से की अपील

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में अवैध कॉलोनियों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बिना सक्षम अनुमतियों के अवैध रूप कालोनी का निर्माण करने वाले कालोनाईजर के विरूद्ध कार्यवाही करने के सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने बताया कि सीहोर में बिना किसी सक्षम अनुमति के बनाई जा रही 05 अवैध कालोनियों पर कार्रवाई की गई है।

आज सीहोर स्थित अवैध अंजनी धाम कॉलोनी, माधव स्टेट एवं अनीता राय, रजनी राठौड़, दिनेश राठौर द्वारा अवैध रूप से बनाई जा रही कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर कॉलोनियों में बनाए गए ऑफिस कार्यालय, मार्ग, कॉलोनी के मुख्य गेट, बाउंड्री वॉल एवं अन्य स्ट्रक्चर को नष्ट किया गया। एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने बताया कि अवैध कॉलोनियों एवं ऐसे कालोनाईजार के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। आज की यह कार्रवाई नायब तहसीलदार सुश्री चंचल जैन, नगर पालिका की टीम तथा राजस्व अमले द्वारा की गई।

अवैध कालोनियों में प्लाट-मकान नहीं खरीदने की अपील

एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे सस्ते दर पर प्लाट-मकान के लालच में अवैध कालोनियों में प्लाट या घर न खरीदें।

जब भी वे किसी कालोनी में प्लाट या घर खरीदें तो पहले कालानाईजर का वैधानिक रजिस्ट्रेशन तथा उसके द्वारा जो कालोनी विकसित की जा रही है उसकी समस्त शासकीय अनुमतियों की जांच पड़ताल कर लें। अवैध कालोनियों में प्लॉट खरीदकर एवं मकान बनाकर कई बार नागरिकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

किसानों को किया गया जल संरक्षण के प्रति प्रोत्साहित

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत नापलाखेड़ी द्वारा किसानो को जल गंगा डगवेल एवं खेत तालाब के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया गया। किसानों को बताया कि डगवेल विधि द्वारा किस प्रकार जल का संरक्षण किया जा सकता है।

सिरोंज एसडीएम ने बीएलबीसी की बैठक कर ऋण योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के दिए निर्देश

विदिशा (निप्र)। सिरोंज विकासखड में बीएलबीसी की बैठक का आयोजन सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चौधरी की अध्यक्षता मे एसडीएम कार्यालय में किया गया। उक्त बैठक में लीड बैंक ऑफिसर श्री बीएस बघेल सहित समस्त बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक मे एसडीएम श्री हर्षल चौधरी ने सभी ऋण योजनाओं के प्रकरण तैयार करने एवं संबंधित बैंकों को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया है ताकि मासिक आधार पर लक्ष्य प्राप्ति की जा सके।

उन्होंने पीएमएफएम.ई योजना में सिर्फ आटा चक्की के ही प्रकरण न बनाये जाने बहुत सारी एक्टिविटी जैसे बडी, पापड, आचार, दलिया, रवा, मेंदा आदि अलग-अलग ग्रामों में प्रकरण बनाने हेतु उद्यानिकी विभाग को निर्देशित किया है। उन्होंने एसआरएलएम विभाग को निर्देशित किया है कि तहसील कार्यालय में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित कैंटीन खोली जायें ताकि, आजिविका को बढावा दिया जा सके। एसडीएम श्री चौधरी ने सभी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं एवं अटल पेंशन योजना के अधिकाधिक पंजीयन हेतु महिला एवं बाल विकास के बासौदा के अधिकारी को कैम्प शेड्यूल बनाने एवं बैकों से कियोस्क ऑपरेटर को कैम्प में जोडने हेतु निर्देशित किया है।

आधी रात को दबंगों ने घर-दुकान में लगाई आग

सतना में उधार न देने पर पेट्रोल डालकर आग भड़काई, दो परिवारों को लाखों का नुकसान

सतना (नप्र)। सतना जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उसराहा में किराना व्यापारी के घर पर दबंगों ने हमला कर दिया। करीब दर्जनभर गुंडों ने दो परिवारों के घर और दुकान को पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया। घटना में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है, जिसमें सोमवार को थाने में शिकायत दर्ज की गई।

घटना की वजह किराने की दुकान से उधारी का सामान न मिलना बताई जा रही है। ग्राम उसराहा निवासी करूण कुशवाहा की दुकान पर सोमवार शाम भाजीखेरा निवासी दबंगों से विवाद हो गया था। आरोप है कि बात इतनी बढ़ी कि रात को दबंगों ने अपने साथियों के साथ हमला कर दिया।

घर-दुकान और बाइक में लगाई आग- दबंगों ने करूण कुशवाहा और कंधीलाल वर्मा के घर और दुकानों में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। देखते ही देखते दुकानों का सारा सामान, घरेलू सामग्री और मोटरसाइकिल तक जलकर राख हो गई। पीड़ितों का कहना है कि आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

तीन लोगों पर आरोप- आगजनी और धमकी का आरोप भाजीखेरा निवासी नमो सिंह बघेल, ओम सिंह बघेल और प्रबल सिंह बघेल पर लगाया गया है। पीड़ितों ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है।

ग्रामीणों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सिंहपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नालों की सफाई समयबद्ध योजना अनुसार सुनिश्चित कराएं : आयुक्त

भोपाल (नप्र)। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि नाला सफाई अभियान के तहत समयबद्ध कार्य योजना अनुसार शहर के सभी नालों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित कराएं और नाला सफाई कार्य पर सुक्ष्मता से मॉनीटरिंग करें ताकि शहर में कहीं भी जल ठहराव की स्थिति निर्मित न हो अन्यथा संबंधित जोन के एएचओ की जिम्मेदारी तय की जाएगी। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निर्देशित किया कि नाला सफाई के दौरान निकली सिल्ट को उठवाकर आदमपुर छावनी लैण्डफिल साईट भेजने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएं। समीक्षा के दौरान निगम आयुक्त श्री नारायन ने नाला-नालियों की तलछट तक सफाई तथा जल ठहराव के संभावित क्षेत्रों में पानी के निकास हेतु बनाई गई कार्य योजना की भी जानकारी प्राप्त की और आगामी 15 जून तक शहर के सभी नाला-नालियों की साफ-सफाई कराने एवं पानी के बहाव को निर्बाध बनाए रखने के निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में उपायुक्त श्री चंचलेश गिरहरे, सहायक आयुक्त श्रीमती कीर्ति चौहान, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारीगण, सहायक स्वास्थ्य अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को माता मंदिर हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय के सभाकक्ष में वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान की समीक्षा की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने शहर के नाला-नालियों की सफाई की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान के तहत शहर के सभी नाला-नालियों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई समयबद्ध कार्य योजना अनुसार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन कर परचम लहराया

● मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से रिजल्ट घोषित किया

10वीं में 76.22 प्रतिशत स्टूडेंट पास, 12वीं में 74.48 प्रतिशत हुए सफल, 15 साल का रिकॉर्ड टूटा

सिंगरौली की प्रज्ञा को 500/500, 212 स्टूडेंट्स मेरिट में, इनमें 145 लड़कियां

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सुबह 10 बजे एक क्लिक से परिणाम जारी किया।

10वीं में 76.22 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 18.12 प्रतिशत अधिक है। 2024 में 58.10 प्रतिशत परीक्षार्थी ही सफल हो पाए थे। 12वीं का परिणाम भी 9.99 प्रतिशत तक सुधरा है। इसमें 74.48 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। पिछले वर्ष 12वीं का परिणाम 64.49 प्रतिशत ही रहा था।

हर बार की तरह इस बार भी दोनों कक्षाओं में बेटियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर परचम लहराया है। इस वर्ष 10वीं में 79.27 प्रतिशत छात्राएं और 73.21 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। राज्य स्तरीय मेधावी सूची में कुल 212 विद्यार्थियों ने स्थान पाया है, इनमें 144 बालिकाएं शामिल हैं।

10वीं में सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने 500 अंकों की परीक्षा में 500 अंक पाकर पहला स्थान हासिल किया है। उधर, 12वीं में 77.55 प्रतिशत छात्राएं और 71.37 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। 12वीं की राज्य स्तरीय मेधावी सूची में 159 विद्यार्थियों ने स्थान पाया है, इनमें 89 बालिकाएं हैं।

परिणाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी असफल हुए हैं, उनका साल खराब नहीं होगा। वे साल में दो बार परीक्षा दे सकेंगे। इस तरह का प्रयोग करने वाला मध्य प्रदेश देश का तीसरा राज्य बन गया है।

द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन सात मई से होंगे

मप्र बोर्ड परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों को एक और मौका देने का निर्णय किया गया गया है। वे विद्यार्थी जो फेल हो गए हैं या अपने अंकों में सुधार (इंप्रूवमेंट) करना चाहते हैं, वे 17 जून से दोबारा परीक्षा दे सकेंगे। इसके लिए सात मई से 21 मई तक आवेदन होंगे।

टेक्सटाइल सेक्टर को नई उड़ान देने विकसित हो रहा होजियरी पार्क : सीएम

भोपाल (नप्र)। विकसित हो रहा रेडीमेड गारमेंट्स होजियरी पार्क- सीएम डॉ. मोहन यादव बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करेगा डिजिटल डेस्क, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश और उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए किए जा रहे ठोस प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का प्रतिफल है कि राजधानी भोपाल में रेडीमेड गारमेंट्स होजियरी पार्क की स्थापना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह पार्क न केवल राज्य के टेक्सटाइल सेक्टर को नई गति देगा, बल्कि मध्यप्रदेश को एक उभरते हुए औद्योगिक हब के रूप में स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। यह भी पढ़े -कांग्रेस के नेता भारतीय सेना का गिरा रहे मनोबल, इस दल का ये चेहरा नहीं मुखौटा है सुधांशु त्रिवेदी मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जो उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, उससे निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। रेडीमेड गारमेंट्स होजियरी पार्क इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करेगा। सतगढ़ी गांव, तहसील कोलार, भोपाल में यह औद्योगिक पार्क मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की देखरेख में विकसित किया जा रहा है। कुल 69.60 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस पार्क को मल्टी प्रोडक्ट पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें टेक्सटाइल, रेडीमेड गारमेंट्स और फूड प्रोसेसिंग जैसे विविध औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह भी पढ़े -कांग्रेस के नेता भारतीय सेना का गिरा रहे मनोबल, इस दल का ये चेहरा नहीं मुखौटा है सुधांशु त्रिवेदी लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी की दृष्टि से यह पार्क बेहतर स्थान पर बन रहा है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-46 से 12 किलोमीटर, राजा भोज एयरपोर्ट से 25 किलोमीटर तथा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल शहर से मात्र 13 किलोमीटर की दूरी होने के कारण श्रमिकों, उद्यमियों और औद्योगिक गतिविधियों के लिए आवागमन की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो जाती है। पार्क में आधारभूत संरचना का विकास भी सुनियोजित ढंग से किया गया है। जल आपूर्ति की व्यवस्था केरवा डैम से की गई है। बिजली आपूर्ति के लिए निकटस्थ 33 केवी/11 केवी सब-स्टेशन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। कोलार रोड से पार्क को जोड़ने के लिए 2.2 किलोमीटर लंबी सीसी रोड का निर्माण भी पूर्ण किया जा चुका है, जिससे परिवहन व्यवस्था और सुदृढ़ हो गई है। इस औद्योगिक परियोजना पर कुल 1997.97 लाख रुपये की लागत संभावित है। पार्क के निर्माण से भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा और बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

इंदौर-बैतूल हाईवे के कलवार घाट पर बसों में भिड़ंत, 45 से ज्यादा घायल, एक की मौत

देवास (नप्र)। इंदौर बैतूल नेशनल हाईवे पर सड़क हादसों के लिहाज से डेंजर जोन में शामिल कलवार घाट में मंगलवार दोपहर एक चार्टर्ड बस व एक अन्य यात्री बस के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक-दो अन्य वाहन भी चपेट में आ गए। जोरदार टक्कर के बाद दोनों बसों में सवार 45 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया जो चार्टर्ड बस का ड्राइवर कमलेश निवासी खातेगांव बताया जा रहा है। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों का प्राथमिक उपचार करके इंदौर रेफर किया जा रहा है। वहीं अधिकांश यात्रियों को सामान्य चोट आई है जिनमें से कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बड़ी दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय विधायक आशीष शर्मा कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति जानी व उपचार की व्यवस्था देखी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कन्नौद सौम्या जैन के अनुसार एक व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि हुई है। चार से पांच गंभीर रूप से घायल है जिनको रेफर किया जा रहा है। इसके अलावा 17 से 18 अन्य यात्रियों का कन्नौद के अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसे के कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस जगह हादसा हुआ वह घाट से जुड़ा हुआ है और वहां पर खतरनाक मोड़ है। यात्रियों के अनुसार चार्टर्ड बस हरदा से इंदौर की ओर जा रही थी जबकि दूसरी यात्री बस इंदौर की ओर से आ रही थी मोड पर दोनों बसों के बीच जोरदार टक्कर आमने-सामने से हो गई। घायल होने वालों में अधिकांश यात्री देवास, इंदौर हरदा व अन्य जिलों के हैं।

हिस्सेदारी नहीं मिलने पर युवक ने पीया कीटनाशक, मौत

पिपलौदा थाने के बाहर शव रख किया प्रदर्शन ; पुलिस पर मारपीट का आरोप, कॉन्स्टेबल लाइन अटैच

रतलाम (नप्र)। रतलाम के पिपलौदा में फसल का हिस्सा नहीं मिलने व पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं करने पर एक युवक ने जहर पी लिया। इससे उसकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह परिजनों ने शव को पिपलौदा थाने के बाहर रख प्रदर्शन किया।

मृतक की पत्नी ने आरोप लगाए थे कि थाने में सुनवाई ना करते हुए उल्टे पति के साथ मारपीट की। तनाव में आकर पति ने यह कदम उठाया। एसपी ने थाने के कॉन्स्टेबल अनिल पाटीदार को लाइन अटैच कर दिया।

जानकारी के अनुसार, समरथ धनगर (35) निवासी पिपलौदा ने सोमवार सुबह रांकोदा स्थित अपने खेत पर कीटनाशक पी लिया था। परिजनों ने जावरा अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां से रात में रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया। देर रात उसकी मौत हो गई।

4 घंटे तक थाने के बाहर प्रदर्शन

मंगलवार सुबह मृतक के पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा। परिजन शव लेकर पिपलौदा थाने पहुंच गए। थाने के बाहर शव रख दिया। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। परिजनों के साथ जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

जावरा एसडीएम त्रिलोचन गौड़, एसडीओपी संदीप मालवीय, सीएसपी दुर्गेश आर्मो व अन्य अधिकारी पहुंचे। परिजनों को काफी देर तक समझाया। लेकिन वह मानने के लिए तैयार नहीं थे। बाद में एएसपी राकेश खाखा पहुंचे। परिजनों व विरोध करने वालों से चर्चा कर कड़ी कार्रवाई व जांच का आश्वासन दिया। इसके बाद सभी माने।

रोड पर शव रखने के लिए रतलाम पिपलौदा-जावरा व बांसवाडा मार्ग भी बाधित हुआ। पुलिस ने रूट डायवर्ट किया तो उसे भी बंद करने का प्रयास किया।

पत्नी ने लगाया आरोप

पति समरथ की मौत के पहले पत्नी निर्मला ने कहा था कि पिपलौदा निवासी नगेंद्र सिंह के 15 बीघा खेत को उनके पति समरथ, देवराम मोगिया और भंवरलाल ने लीज पर लिया था। फसल बेचने के बाद भी देवराम और भंवरलाल ने समरथ को हिस्सा नहीं दिया।

पत्नी के अनुसार हिस्सा नहीं मिलने पर अप्रैल के माह के पहले सप्ताह में पिपलौदा थाने में शिकायत की। पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उल्टा कॉन्स्टेबल अनिल पाटीदार ने पति को थाने बुलाकर उसके कपड़े उतरवाए और मारपीट की। इससे आहत होकर उसने कीटनाशक पिया।

कॉन्स्टेबल लाइन अटैच, दो के खिलाफ केस

मामला सामने आने के बाद एसपी अमित कुमार ने कॉन्स्टेबल तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है। कथित तौर पर आत्महत्या के लिए उकसाने पर देवराम मोगिया व भंवरलाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

शव जलाने की थी तैयारी

परिजन व आक्रोशित थाने के बाहर शव जलाने की मांग पर अड़ गए। शव जलाने के लिए लकड़िया व अन्य तैयारी भी कर ली। भीड़ को तितर-बितर करने को लेकर पुलिस लाठी व आंसू गैस से लैस होकर मुस्तैद हो गई। पुलिस ने अंतिम संस्कार की सामग्री को छीना। करीब 4 घंटे की समझाइश के बाद आक्रोशित माने। फिर शव लेकर मुक्तिधाम के लिए रवाना हुए।

यह रखी मांगें

परिजनों ने पुलिस को एक मांग पत्र भी सौंपा। जिसमें मृतक समरथ के बच्चों के भविष्ट के लिए शासन से 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने, 15 दिन में न्यायिक जांच करवाकर कॉन्स्टेबल व उसके सहकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आरटीआई का जवाब देने के बदले मांगे 4 हजार, लोकायुक्त ने महिला कर्मी को रिश्वत लेते पकड़ा

जबलपुर (नप्र)। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांग रहे आवेदक से रिश्वत मांगना महिला कर्मी को भारी पड़ गया। आवेदक ने रिश्वत की शिकायत लोकायुक्त से की, जिसके बाद मंगलवार को लोकायुक्त ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय में पदस्थ महिला कर्मी को 4 हजार रुपये रिश्वत लेते धर लिया।

लोकायुक्त डीएसपी नीतू त्रिपाठी ने बताया कि 2 मई को शिकायतकर्ता राकेश विश्वकर्मा ने एसपी लोकायुक्त को लिखित शिकायत देते हुए बताया था कि सीएमएचओ कार्यालय में उसने एक आरटीआई के तहत आवेदन लगाया था, जिसमें कुछ कर्मचारियों की पदस्थापना संबंधी जानकारी मांगी थी।

लोकायुक्त ने रंगेहाथ पकड़ा- इस दौरान उसकी सीएमएचओ कार्यालय के आरटीआई शाखा में पदस्थ विनीता विलियम से मुलाकात हुई, जिन्होंने जानकारी देने के बदले पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की। बातचीत में 4 हजार रुपए में वह मान गई। लोकायुक्त ने शिकायत की पड़ताल कराने के बाद विनीता विलियम को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ लिया।

गुना में ऑफ रोड होकर खेत में उतरी बस

एक की मौत, 25 से ज्यादा घायल ; राजस्थान से शिवपुरी लौट रहे थे बाराती

गुना (नप्र)। राजस्थान में शादी समारोह में शामिल होने गए शिवपुरी के नागरिकों की बस गुना जिले के धरनावदा इलाके में बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि लगभग 25 व्यक्ति घायल हैं। बस राजस्थान के झालावाड़ से शिवपुरी जा रही थी। शिवपुरी से दो दिन पहले बारात राजस्थान गई थी। बस में लगभग 50 से ज्यादा सवारियां सवार थीं। मंगलवार सुबह वहां से वापस लौटते समय पार्वती नदी क्रॉस कर धरनावदा क्षेत्र, राघौगढ़ तहसील गुना जिले की सीमा में दोपहर लगभग 12 बजे बस सड़क से बेकाबू होकर खेत में उतर गई।

इसके बाद सूचना मिलते ही राघौगढ़ एसडीएम विकास कुमार आनंद, एसडीओपी दीपा डुडवे, नायब तहसीलदार रेणु कांसलीवाल और धरनावदा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। सभी सवारियों को बस से बाहर निकाला गया।

मृतक और घायलों का विवरण- हादसे में बामोर निवासी 30 वर्षीय हरिराम (पिता प्रकाश केवट) की मौत हो गई

जिला अस्पताल में भर्ती घायल- लीला बाई, गुड्डा बाई, नीलम बाई, कृष केवट, कुसमा बाई, किरण बाई, सीमा बाई, लक्ष्मी बाई, मोनू केवट, अनीता बाई, राजूबाई केवट और कल्ला केवट का उपचार जारी है।

रूठियाई स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती घायल- स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती घायलों में बामोर बदरवास, पारसोल ईसागढ़, माहोर गुना, जगतपुर कोलारस और ईसागढ़ के निवासी शामिल हैं। इनमें विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

यूनियन कार्बाइड के 307 टन जहरीले कचरे का निपटान शुरू

पीथमपुर में प्रतिघंटे 270 किलो कचरा नष्ट होगा, 55 दिन में पूरी होगी प्रक्रिया

पीथमपुर (नप्र)। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के 307 टन कचरे का निष्पादन कोर्ट के आदेश पर शुरू हो गया है। पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने 5 मई 2025 को यह कार्य प्रारंभ किया। कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया रात आठ बजे से शुरू की गई।

प्रति घंटे 270 किलोग्राम कचरे को नष्ट किया जा रहा है। कचरे से निकलने वाली गैसों की निगरानी के लिए ऑनलाइन कंटीन्यूअस मॉनीटरिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके परिणाम मध्य प्रदेश और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सर्वर पर देखे जा सकते हैं।

चिमनी से निकलने वाले धुएं में चार तत्वों की मात्रा मापी जा रही है। इनमें पार्टिकुलेट मैटर, हाइड्रोजन क्लोराइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल हैं। आसपास की हवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए शहर में तीन जगह एयर मॉनीटरिंग स्टेशन हैं। तारपुरा के पुराने स्टेशन के अलावा चीराखान और बजरंगपुरा में 4 मई को नए स्टेशन लगाए गए।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कचरा निष्पादन का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। ट्रायल रन के बाद कंपनी के इंसिलेटर में बदलाव कर ऑटोमैटिक प्रक्रिया अपनाई गई है। सुरक्षा के लिए कंपनी परिसर में 24 घंटे सशस्त्र जवान तैनात रहेंगे। पुलिस वाहन समय-समय पर गश्त करेंगे। पूरी प्रक्रिया को समाप्त होने में लगभग 55 दिन का समय लगेगा।